MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 19 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-258

ख़ैरताबाद खाली!

दानम नागेंद्र अयोग्य घोषित

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र को राज्य विधानसभा से 23 अप्रैल 2024 से अयोग्य घोषित कर दिया और उनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करने वाले स्पीकर के आदेशों को निरस्त कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति घाउस मीरा मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने भाजपा विधायक अलेटी महेश्वर रेड्डी और बीआरएस विधायक पी.कौशिक रेड्डी द्वारा दायर दो रिट याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। इन याचिकाओं में नागेंद्र के खिलाफ अयोग्यता कार्यवाही में 11 मार्च 2026 के स्पीकर के आदेशों को चुनौती दी गई थी।

कांग्रेस टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा

नागेंद्र 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में बीआरएस टिकट पर खैरताबाद से विधायक चुने गए थे। बाद में वे कांग्रेस में शामिल हो गए और 2024 के लोकसभा चुनाव में सिकंदराबाद से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा।

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि कांग्रेस टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़कर नागेंद्र ने संविधान की दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2(1)(ए) के तहत अयोग्यता का भागीदार बन गए।

उच्च न्यायालय ने अयोग्यता याचिका संख्या 4/2024 और 1/2024 में स्पीकर के निर्णयों को निरस्त कर दिया और माना कि नागेंद्र 23 अप्रैल 2024 से संविधान के अनुच्छेद 191(2) के साथ पढ़े गए दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2(1)(ए) के तहत अयोग्य हो गए।

विधानसभा सीट रिक्त घोषित

खंडपीठ ने यह भी कहा कि अयोग्यता के परिणामस्वरूप खैरताबाद विधानसभा सीट रिक्त हो गई है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि उसके आदेश की एक प्रति तेलंगाना विधानसभा स्पीकर के सचिव और भारत निर्वाचन आयोग को भेजी जाए।

याचिकाओं में नागेंद्र को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की तिथि से अयोग्य घोषित करने और उसके अनुवर्ती कार्रवाई की मांग की गई थी।

कार्यवाही इस आरोप के बाद हुई कि नागेंद्र ने कांग्रेस में शामिल होकर और उसके टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़कर स्वेच्छा से बीआरएस सदस्यता छोड़ दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले स्पीकर को दलबदल आरोपों का सामना कर रहे विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता कार्यवाहियों का निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

सीनियर अधिवक्ता के. विवेक रेड्डी अलेटी महेश्वर रेड्डी के लिए उपस्थित हुए, जबकि सीनियर अधिवक्ता गंद्रा मोहन राव पी. कौशिक रेड्डी के लिए उपस्थित हुए। ए. तुलसी राज गोकुल, राज्य विधानमंडल के स्थायी अधिवक्ता, स्पीकर-सह-ट्रिब्यूनल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

सीनियर अधिवक्ता ए. वेंकटेश और गौरव अग्रवाल दानम नागेंद्र के लिए उपस्थित हुए।

फैसला सुनाए जाने के बाद, अयोग्यता के तत्काल परिणामों का हवाला देते हुए नागेंद्र को सुप्रीम कोर्ट जाने का अवसर देने के लिए आदेश को थोड़े समय के लिए स्थगित रखने का अनुरोध किया गया।

निठारी कांड में हुआ था बरी

कोली खुद लटका!

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

आखिरकार सुरेंद्र कोली तक फांसी का फंदा पहुंच ही गया। यह मेरठ जेल में 2014 में नहीं हुआ था, जहां जल्लाद ने फंदा तैयार किया था और उसकी मजबूती जांची थी, बल्कि शुक्रवार को हरिद्वार में हुआ, जहां सभी मामलों में बरी होने के बाद वह चाय की दुकान चला रहा था। निठारी हत्याकांड में पहले दोषी ठहराए गए कोली को नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया था। हालांकि, जेल से रिहा होने के एक साल के भीतर ही उसकी मौत हो गई। 18 सितंबर 2026 को उसका शव हरिद्वार में चाय की दुकान पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका जताई है और मामले की जांच की जा रही है।

आम लोगों की नजर में कोली वह व्यक्ति था, जिस पर नाबालिग लड़कियों को बंगले में बुलाने, उनका यौन शोषण करने और उनकी हत्या कर शवों को नाले में फेंकने के आरोप लगे थे। इन आरोपों से लोगों में भारी गुस्सा फैल गया था। विरोध-प्रदर्शन हुए और मीडिया में भी इसकी खूब चर्चा हुई। अदालत में मामला कमजोर पड़ने से पहले वह निठारी कांड का मुख्य चेहरा बन गया था। पीड़ितों के कंकाल और कपड़े डी-5 बंगले के पास एक नाले से मिले थे।

सुरेंद्र कोली नोएडा के निठारी में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर पर काम करता था। उसे दिसंबर 2006 में उसके मालिक के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जो मुकदमा चला, वह काफी हद तक कोली के कथित कबूलनामे और डी-5 के पास की नाली तथा खुली जमीन से मानव अवशेष मिलने पर आधारित था।

फरवरी 2009 में गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत ने एक किशोरी के दुष्कर्म और हत्या के मामले में कोली और पंढेर को दोषी ठहराया और दोनों को मौत की सजा सुनाई। बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उस मामले में पंढेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की सजा को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा था।इसके बाद और भी मुकदमे चले। एक के बाद एक मामलों में कोली को दोषी ठहराया गया और उसे निठारी के 13 मामलों में मौत की सजा सुनाई गई।

▶8पर

लड्डू मिलावटी!

तिरूपति का मामला, घी मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):

वर्ष 2019 से 2024 के दौरान तिरुपति लड्डू प्रसादम तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया गया घी कथित तौर पर रिफाइंड पाम तेल, पामोलिन और विभिन्न रसायनों का उपयोग करके बनाया गया था, धन शोधन मामले की जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने एक दिन पहले एक घी निर्माण कंपनी के प्रवर्तक को गिरफ्तार करने के बाद शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एजेंसी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के हैदराबाद कार्यालय ने घी मिलावट मामले के सिलसिले में गुरुवार को सुकृति फूड्स के कैलाश चंद मंगला को हिरासत में लिया था। समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय के बयान में कहा गया है कि उन्हें विशाखापट्टनम में धन शोधन निवारण अधिनियम की विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

जांच एजेंसी ने पाया कि लड्डू प्रसादम बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया मिलावटी घी कथित तौर पर रिफाइंड पाम तेल, पाम कर्नेल तेल, पामोलिन और एमजी-90, मायवासेट सॉफ्ट 400, मोनोग्लिसराइड्स तथा एसिटिक एसिड एस्टर के रूप में पहचाने गए रसायनों का उपयोग करके बनाया गया था। इसके बाद इसे 2019 से 2024 की अवधि के दौरान तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को आपूर्ति के लिए एगमार्क विशेष श्रेणी का गाय का घी बताकर प्रस्तुत किया गया था।प्रवर्तन निदेशालय के दावों के अनुसार, इस कथित धोखाधड़ी वाले घी की आपूर्ति का मूल्य 230 करोड़ रुपये था, जिसमें से 96 करोड़ रुपये का मिलावटी घी मंगला द्वारा निर्मित किया गया था। एजेंसी ने कहा कि मंगला इस मामले में सह-साजिशकर्ताओं में से एक था, जिसने मिलावट करने वाले पदार्थों की खरीद में मदद की और अपने कारखाने के परिसर में मिलावटी घी का निर्माण किया। प्रवर्तन निदेशालय के बयान के अनुसार, मंगला ने श्री वैष्णवी डेयरी स्पेशलिटीज, ▶8पर

ममता कैंडिडेट हटा, कांग्रेसी उम्मीद टूटी

नंदी 'संग्राम' शुरू

कोलकाता/नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार को घटनाक्रम इतनी तेजी से बदला कि कुछ ही घंटों में चुनावी स्थिति बदलती नजर आई। पहले ममता बनर्जी खेमे की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया। इस घोषणा के कुछ ही घंटे बाद पुलिस ने मिलन प्रधान को एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार गिरफ्तारी 2007 के नंदीग्राम भूमि आंदोलन से जुड़े पुराने हत्या मामले में हुई है। पुलिस के अनुसार उनके खिलाफ लंबित गिरफ्तारी वारंट था।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस हमारे उम्मीदवार को ले गई है। लोकतांत्रिक नियमों को कुचला जा रहा है और यह भाजपा का बहुत बुरा बर्ताव है। जब उन्होंने

मिलन प्रधान ने नामांकन दाखिल किया था, तब कुछ नहीं हुआ था। वे निर्वाचन अधिकारी के सामने मौजूद थे और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था।पुलिस के मुताबिक, मिलन प्रधान को पुराने मामलों में गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ चार गिरफ्तारी वारंट जारी होने की बात कही गई है, जिनमें तीन हत्या के मामलों और एक शस्त्र अधिनियम के मामले से संबंधित बताया गया है। हालांकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने बताया कि पुलिस ने लंबित पुराने वारंट की समीक्षा के दौरान एक वारंट पाया और कहा कि ▶8पर

नाम-चिह्न लेकर सुप्रीम दस्तक

नई दिल्ली/कोलकाता, 18 सितंबर (एजेंसियां)। ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। चुनाव आयोग ने एक दिन पहले ही ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम और फूल-घास वाले मूल चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है। तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों ने मूल पार्टी नाम और चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ने की मांग की थी।शुक्रवार को चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी के गुट को ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम और फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिह्न दिया, जबकि दूसरे गुट को डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस नाम और लिफाफा चुनाव चिह्न आवंटित किया गया। ▶8पर

गूंगा बोला- आई लव यू

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

सोचिए, कोई इंसान बोल नहीं सकता, लेकिन अपने दिमाग में सोची हुई बात सामने वाले तक आवाज के जरिए पहुंचा सकता है। एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने हाल ही में ऐसा ही एक वीडियो साझा किया है, जिसमें एक व्यक्ति बिना मुंह खोले अपने साथी से बात करता दिखाई देता है। वीडियो में कंप्यूटर से आवाज आती है और उसमें कहा जाता है, आई लव यू।

न्यूरालिंक ने इस वीडियो को केवल 23 सेकंड का रखा है और इसे ए ब्यूटीफुल सरप्राइज शीर्षक के साथ साझा किया। वीडियो तेजी से चर्चा में है और प्रसारित हो रहा है। दरअसल, एलन मस्क की न्यूरालिंक कंपनी कई वर्षों से मस्तिष्क-कंप्यूटर अंतरफलक विकसित कर रही है। इसका उपकरण

बाल से भी बारीक होता है, जिसे मस्तिष्क में प्रत्यारोपित किया जाता है। इस चिप और तकनीक के जरिए ऐसे लोग भी अपनी बात व्यक्त कर सकेंगे, जो किसी बीमारी या चोट के कारण बोल नहीं पाते। इसके लिए काफी समय से चिकित्सकीय परीक्षण भी चल रहे हैं। न्यूरालिंक ने इस व्यक्ति की पहचान या उसकी बीमारी के बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। ▶8पर

जद(यू) नीतीश : निशांत बन सकते हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और उनके उत्तराधिकारी माने जा रहे निशांत कुमार पहली बार जनता दल (यूनाइटेड) के किसी कार्यक्रम में अपने पिता के साथ शामिल हुए। 44 वर्षीय निशांत कुमार, जो अपने पिता के इस्तीफे के बाद बनी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री हैं, जेडीयू के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने पार्टी कार्यालय में नीतीश कुमार के साथ मंच साझा किया। जेडीयू का यह कार्यक्रम पटना में ऐसे समय आयोजित किया गया, जब मीडिया के एक हिस्से में अटकलें लगाई जा रही थीं कि बैठक में पार्टी का नाम बदलकर जेडी(यू)-नीतीश किया जा सकता है और 75 वर्षीय नीतीश कुमार की जगह निशांत कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। हालांकि, जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने स्पष्ट किया कि फिलहाल नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वहीं, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि जेडीयू का नाम बदलने का प्रस्ताव केवल पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठकों में ही लाया जा सकता है।

निशांत कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से अपने पिता की तीन सी- अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति से प्रेरणा लेने को कहा।

▶8पर

ना'पाक मस्जिद

आत्मघाती हमले 21 नमाजी मारे गये

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

जुमे की नमाज का वक्त था। मस्जिद में लोग इबादत में जुटे थे। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट में पुरानी पुलिस लाइन के आसपास आम दिनों की तरह आवाजाही थी। तभी विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी पुलिस लाइन परिसर के प्रवेश द्वार से टकराई। जोरदार धमाका हुआ और देखते ही देखते पूरा इलाका चीख-पुकार में बदल गया। धुएं का गुबार उठ गया, मस्जिद और आसपास की इमारतों को नुकसान पहुंचा तथा सड़क पर घायल लोग दिखाई देने लगे। 18 सितंबर को पाकिस्तान ▶8पर

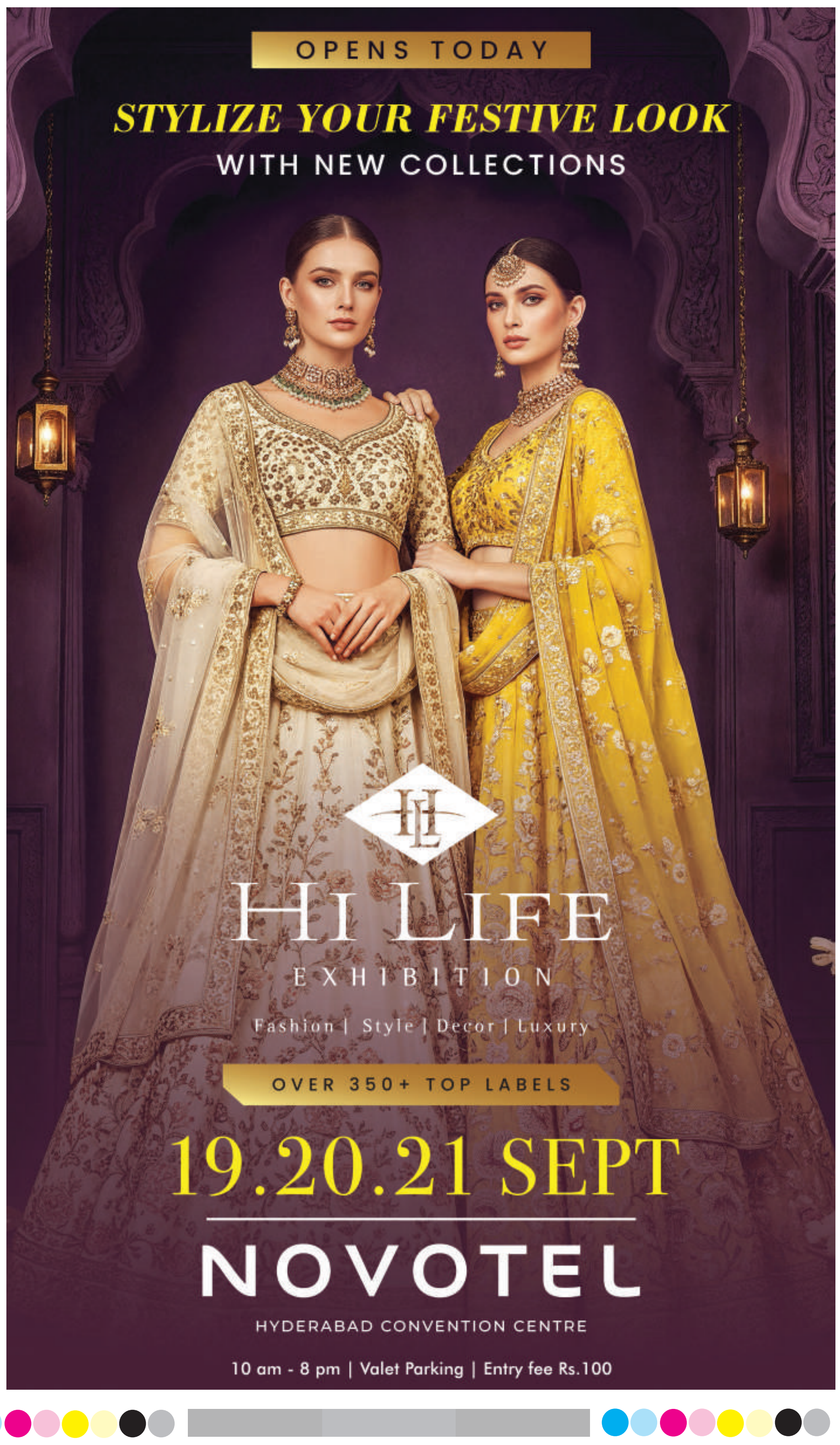

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिकी कंपनी ने 80 भारतीय कर्मचारियों को किया बर्खास्त

वाशिंगटन

अमेरिका से भारतीयों के प्रति कथित पूर्वाग्रह और बेरुखी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक अमेरिकी कंपनी पर आरोप लगा है कि उसने महज पांच मिनट की एक वर्चुअल मीटिंग में 80 भारतीय कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया। इस सनसनीखेज घटना की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म रेडिट पर एक प्रभावित कर्मचारी ने अपनी आपबीती के तौर पर साझा की है।

हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है और न ही संबंधित कंपनी का नाम सार्वजनिक किया गया है। कंपनी की ओर से भी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे पूरे प्रकरण में रहस्य बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह अमेरिकी फाइनेंशियल फर्म थी जिसने अपनी पूरी भारतीय कस्टमर सपोर्ट टीम को गूगल मीट काल के जरिए अचानक बाहर का रास्ता दिखा दिया। पीड़ित यूजर ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि उसने कंपनी के लिए अथक परिश्रम और निष्ठा से काम किया था, लेकिन कंपनी के अधिकारियों ने कर्मचारियों के प्रति मानवीयता का जरा भी ख्याल नहीं रखा। उसने कारपोरेट जगत की अमानवीय प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि बड़ी कंपनियां कर्मचारियों को किसी उपयोगहीन वस्तु की तरह कभी भी बाहर फेंक सकती हैं।

पीड़ित कर्मचारी के मुताबिक, वह कंपनी के कस्टमर सपोर्ट विभाग में कार्यरत था। एक शाम अचानक, घर से काम कर रहे कर्मचारियों को रात करीब 9:30 बजे एक गूगल मीट इनविटेशन मिला। काल पर उन्हें बताया गया कि पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को बर्खास्त किया जा रहा है। महज पांच मिनट की इस काल में 80 कर्मचारियों को एक झटके में नौकरी से निकाल दिया गया, जिससे 80 परिवारों का भविष्य अधर में लटक गया। इस अप्रत्याशित बर्खास्तगी से दुखी कर्मचारी ने जाब सिक्योरिटी पर गंभीर सवाल उठाए। उसने अपने पोस्ट में लिखा कि उसे इस बात का अफसोस है कि उसने इस नौकरी के लिए इतनी कड़ी मेहनत की, जबकि कारपोरेट कंपनियां कर्मचारियों को किसी कचरे की तरह कभी भी बाहर फेंक सकती हैं। कर्मचारी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा है कि अब वह नई नौकरी कैसे ढूंढेगा और अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करेगा।

पोस्ट के फालो-अप कमेंट्स में कर्मचारी ने बताया कि कंपनी ने इस छंटनी की वजह असंतोषजनक आउटपुट बताई है। कंपनी का दावा था कि भारतीय टीम से उन्हें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं मिल रहा था। उन्होंने भारतीय कर्मचारियों की तुलना अपनी अमेरिकी टीम से करते हुए खराब प्रदर्शन का हवाला दिया और पूरी टीम को बर्खास्त करने का फैसला लिया। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में कार्यरत भारतीय पेशेवरों की नौकरी की सुरक्षा और उनके प्रति रवैये को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है।

न्यूज ब्रीफ

भारत दौरे के दूसरे दिन विदेश मंत्री जयशंकर से मिलेंगे नेपाली वित्त मंत्री वाग्ले

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले भारत की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक और द्विपक्षीय मुलाकातों में शामिल होंगे। इससे पहले भारत दौरे पर पहुंचे वित्त मंत्री वाग्ले ने उसी शाम अपनी भारतीय समकक्ष निर्मला सीतारमण के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की। यात्रा के दूसरे दिन वित्त मंत्री वाग्ले पूर्व भारतीय विदेश सचिव श्याम शरण द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में वह अपने विचार रखेंगे। वित्त मंत्री वाग्ले की भारतीय विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर के साथ मुलाकात निर्धारित है। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। वित्त मंत्री वाग्ले भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष जावेद अशरफ द्वारा आयोजित एक व्यापक बैठक में भी शामिल होंगे। भारत मंडपम में होने वाले इस कार्यक्रम में नेपाल-भारत आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर उच्चस्तरीय चर्चा होगी। वित्त मंत्री वाग्ले के नेतृत्व वाले नेपाली प्रतिनिधिमंडल में अर्थ मंत्रालय के सहसचिव अमृत लम्साल, विदेश मंत्रालय के सहसचिव गेहेन्द्र राजभण्डारी, नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डा. सुरेन्द्र थापा, इकोनोमिक मिनिस्टर तारानाथ अधिकारी और वित्त मंत्री के निजी उपसचिव कञ्चन बस्नेत शामिल हैं।

नेपाल की बाढ़ में 102 बच्चों ने खोए माता-पिता, 17 हजार बच्चों को संरक्षण की जरूरत

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बच्चों पर संकट और गहरा गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार परिषद की त्वरित आकलन रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ में 102 बच्चों के माता-पिता दोनों लापता हैं। इनमें 49 लड़कियां और 53 लड़के शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रसुवा, नुवाकोट और धादिङ जिलों में ही कम-से-कम 17 हजार बच्चों को संरक्षण की आवश्यकता है। बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। परिवार से अलग हुए और अभिभावकीय देखभाल से वंचित बच्चों के सामने जोखिम भी बढ़ गया है। अध्ययन के अनुसार, 439 बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ गए हैं, जिनमें 222 लड़कियां और 217 लड़के हैं। वहीं, 692 प्रभावित बच्चे अपने माता-पिता या अन्य अभिभावकों के साथ हैं। इनमें 361 लड़कियां और 331 लड़के शामिल हैं। प्रभावित बच्चों में 21 दिव्यांग बच्चे भी हैं। बाढ़ से प्रभावित 32 स्कूलों में से 19 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन स्कूलों में करीब 9,400 विद्यार्थी नामांकित थे, जिनमें 3,928 विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 488 विद्यार्थी अब भी लापता हैं, जबकि पांच विद्यार्थियों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार परिषद ने इसे केवल तत्काल राहत का विषय नहीं बल्कि बाल अधिकार, संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पारिवारिक देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालीन विकास से जुड़ा बहुआयामी मानवीय संकट बताया है।

नींद, डिप्रेशन की दवाओं तथा बुजुर्गों में गिरने के बीच है संबंधः अध्ययन

कैलिफोर्निया। बुजुर्गों में नींद से जुड़ी परेशानियां तथा डिप्रेशन जैसी समस्याएं आजकल आम होती हैं। उम्र

बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। ऐसी परिस्थितियों में डाक्टर कुछ लोगों को नींद या डिप्रेशन की दवाएं देते हैं। बुजुर्गों में कुछ दवाओं के कारण अत्यधिक नींद, चक्कर, कमजोरी या चलने में परेशानी हो सकती है। इससे शरीर का संतुलन बिगड़ने और गिरने का खतरा बढ़ सकता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को के शोधकर्ताओं की स्टडी में भी नींद और डिप्रेशन की दवाओं तथा बुजुर्गों में गिरने के जोखिम के बीच संबंध सामने आया है। नींद की कुछ दवाएं मस्तिष्क की गतिविधियों को शांत करके नींद लाने में मदद करती हैं। लेकिन कई बार इनका प्रभाव सुबह उठने के बाद भी बना रह सकता है। बुजुर्गों को सुबह सुस्ती, चक्कर या कमजोरी महसूस होने से चलते समय संतुलन बनाए रखने में परेशानी हो सकती है। रात में अचानक बिस्तर से उठकर बाथरूम जाने के दौरान यह जोखिम और बढ़ सकता है। डिप्रेशन के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाओं से भी नींद या चक्कर जैसी समस्या हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेपाल के पीएम की सिर्फ गुटेरेस से होगी मुलाकात, जलवायु न्याय पर देंगे जोर

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयार्क जा रहे हैं। पांच दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शाह की केवल संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ द्विपक्षीय मुलाकात तय हुई है।

प्रधानमंत्री शाह 22 सितंबर को न्यूयार्क के लिए रवाना होंगे और 25 सितंबर की सुबह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। 26 सितंबर को उनके स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है। वह न्यूयार्क में तीन दिन रहेंगे।

विदेश सचिव अमृत बहादुर राई ने बताया कि प्रधानमंत्री शाह और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के बीच मुलाकात होगी। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, महासचिव गुटेरेस से मुलाकात और महासभा को संबोधन के अलावा प्रधानमंत्री का कोई अन्य उच्चस्तरीय द्विपक्षीय कार्यक्रम तय नहीं है।

प्रधानमंत्री शाह ने अन्य नेताओं के साथ मुलाकातों में रुचि नहीं दिखाई है। सभी द्विपक्षीय बैठकों की जिम्मेदारी उन्होंने विदेश मंत्री शिशिर खनाल को दी है। महासभा के दौरान नेपाल द्वारा आयोजित किए जाने वाले सगरमाथा से समुद्र तक: जलवायु लचीले भविष्य के लिए आह्वान बैठक में भी प्रधानमंत्री शाह शामिल नहीं होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री खनाल करेंगे।

बैठक में वैश्विक जलवायु परिवर्तन के कारण खासकर हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव और उससे पैदा हो रहे विनाशकारी परिणामों पर चर्चा की जाएगी। नेपाल का उद्देश्य इस मुद्दे की ओर

अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करना है।

विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नेतृत्व वाला नेपाली प्रतिनिधिमंडल करीब 10 दिन न्यूयार्क में रहेगा और विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेगा। खनाल न्यूयार्क रवाना होंगे। वह संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और अल्प विकसित देशों से संबंधित उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लेंगे और नेपाल की ओर से संबोधन भी करेंगे।

विदेश मंत्री खनाल की भारतीय विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर और चीन के कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य तथा उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ मुलाकात की तैयारी है।

विदेश सचिव राई के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह जलवायु परिवर्तन और उससे पैदा होने वाली आपदाओं के कारण नेपाल को बार-बार होने वाले बड़े पैमाने पर जनधन के नुकसान की ओर विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करेंगे। वह यह मुद्दा भी उठाएंगे कि नेपाल का कार्बन उत्सर्जन बहुत कम होने के बावजूद उसे जलवायु परिवर्तन के गंभीर दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है।

भोटेकोशी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद प्रधानमंत्री शाह की यह यात्रा हो रही है। ऐसे में उनके संबोधन का मुख्य मुद्दा जलवायु न्याय रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शाह के महासभा संबोधन के मसौदे पर फिलहाल चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी भाषण को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अधिकारियों के अनुसार, विशेषज्ञों और सोशल मीडिया के माध्यम से मिले सुझावों को भी संबोधन में शामिल किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री शाह अंतरराष्ट्रीय मंच से नेपाल के लिए जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान का तत्काल और उचित मुआवजा देने की मांग करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह विकसित और समृद्ध देशों से नेपाल में जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे के निर्माण, जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने तथा संबंधित पक्षों की क्षमता विकास के लिए आवश्यक तकनीक और जलवायु वित्त आसानी से और रियायती शर्तों पर उपलब्ध कराने की अपील करेंगे।

नेपाल प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली, 46 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र, विशाल हिमालयी क्षेत्र और व्यापक नदी प्रणाली के जरिए वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में अपने योगदान को भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखेगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन के तुरंत बाद नेपाल को मुआवजे की राशि मिलना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री इस मुद्दे को राजनीतिक एजेंडे के रूप में विश्व समुदाय के सामने रखेंगे और इसके बाद सरकारी तंत्र इसे आगे बढ़ाने का काम करेगा।

प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व वाले उच्चस्तरीय नेपाली प्रतिनिधिमंडल में इस बार कुल 16 सदस्य होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री के साथ 11 और विदेश मंत्री खनाल के साथ पांच सदस्य न्यूयार्क जाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार कुमार व्यञ्जनकार, विदेश सचिव अमृत बहादुर राई, सह सचिव कृष्णप्रसाद ढकाल और प्रमुख शिष्टाचार महापाल कुमार खरेल समेत अन्य अधिकारी शामिल होंगे। न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र के लिए नेपाल के स्थायी प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे।

ईरान के साथ हम अच्छी डील करेंगे या कोई समझौता नहीं, ट्रंप का तेहरान को संदेश

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान समझौता तो करना चाहता है लेकिन उनकी निजी राय में तेहरान इसके लिए अभी पूरी तरह तैयार नहीं है।उन्होंने कहा कि वे अमेरिकी हितों वाली अच्छी डील करेंगे या कोई समझौता नहीं करेंगे।

मीडिया संस्थान ईरान इंटरनेशनल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से फाक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका के साथ ईरान डील करना चाहता है लेकिन वह इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। ट्रंप ने संकेत दिया कि कोई भी समझौता अमेरिकी उम्मीदों के मुताबिक ही होगा।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अगले सप्ताह न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद यानी जीसीसी के सदस्य देशों के नेताओं से मुलाकात की उम्मीद है।

ट्रंप ने दावा किया कि बी-2 बाम्बर इस्तेमाल से अमेरिकी हमलों ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा न होता तो तेहरान के पास अबतक परमाणु हथियार होता। उन्होंने ईरान को बहुत कमजोर स्थिति में बताते हुए दावा किया कि उसकी अर्थव्यवस्था सबसे खराब स्तर पर है। उन्होंने 300 प्रतिशत से ज्यादा महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि सैन्य और पुलिसकर्मियों को वेतन नहीं मिल रहा है। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने का दावा करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि आखिर में हमारी ही जीत होगी। मुझे नहीं पता कि यह किसी समझौते से होगा या नहीं लेकिन हम पहले से जीत रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों बरअक्स पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी का दावा है कि ईरान के साथ युद्ध इसी साल नवंबर माह तक खत्म हो सकता है। ईरान इंटरनेशनल ने पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी ब्रेंट सैडलर के बयान का उल्लेख करते हुए बताया है कि ईरान युद्ध नवंबर तक खत्म हो सकता है, क्योंकि तेहरान पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी और आर्थिक दबाव का असर हो रहा है। सैडलर ने कहा, वित्तीय और मौद्रिक नजरिए से देखें तो आंकड़े निश्चित रूप से इसी नतीजे की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष साल के अंत से पहले या नवंबर में होने वाले चुनाव के समय ही खत्म हो सकता है। सैडलर ने कहा कि उनके इस अनुमान के पीछे अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी और आर्थिक युद्ध के अन्य तरीके मुख्य कारण हैं।

16वीं सदी में इंग्लैंड में पादरी प्रीस्ट होल्स में छिपकर बचाते थे जान

लंदन। 16वीं सदी के इंग्लैंड में कैथोलिक पादरी गुप्त ठिकानों में छिपकर अपनी जान बचाते थे। ये गुप्त ठिकाने होते थे दीवारों के भीतर छिपी मौत की कालकोठरियां। महल की दीवार के भीतर बनी ये काल कोठिरयां इतनी संकरी और अंधेरी जगह में कैद होती हैं, जहां न ठीक से सांस लेने की गुंजाइश है और न ही शरीर हिलाने की। बाहर हथियारों से लैस लोग आपकी तलाश में घर का कोना-कोना खंगाल रहे हैं। उन्हें जरा भी आभास हो जाए कि आप कहां छिपे हैं, तो आपकी जिंदगी खत्म हो सकती है। 16वीं सदी के इंग्लैंड में कैथोलिक पादरियों के लिए ऐसी स्थिति कोई कल्पना नहीं, बल्कि खौफनाक हकीकत थी। इसी दौर में बनाए गए गुप्त ठिकानों को प्रीस्ट होल्स यानी पादरियों के छिपने की जगह कहा गया। उस समय इंग्लैंड धार्मिक संघर्ष से गुजर रहा था। राजा हेनरी आठवें ने कैथोलिक चर्च से संबंध तोड़कर प्रोटेस्टेंट सुधारों का रास्ता खोला। उनके बाद एडवर्ड छठे के शासन में भी प्रोटेस्टेंट धर्म को बढ़ावा मिला। हालांकि, सत्ता में रानी मैरी के आने के बाद हालात तेजी से बदले। उन्होंने प्रोटेस्टेंट विरोधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की और बड़ी संख्या में लोगों को मौत की सजा दी। इसी वजह से उन्हें इतिहास में ब्लडी मैरी के नाम से जाना गया। मैरी के बाद रानी एलिजाबेथ प्रथम सत्ता में आईं तो कैथोलिक समुदाय और पादरियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गईं।

चीन के डर से सऊदी अरब को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट देने से बच रहा अमेरिका

गोपनीय रिपोर्ट में खुलासा ड्रैगन संवेदनशील सैन्य तकनीक चुरा सकता

रियाद

अमेरिकी खुफिया एजेंसी की गोपनीय रिपोर्ट ने गंभीर चिंता जाहिर की है कि यदि अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने की अपनी योजना पर आगे बढ़ता है, तब चीन उसकी संवेदनशील सैन्य तकनीक चुरा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) के आकलन में सऊदी अरब और चीन के बीच बढ़ते रक्षा व प्रौद्योगिकी संबंधों को लेकर गहन चिंता जाहिर की गई हैं। इस प्रस्तावित सौदे में कई अरब डालर के पैकेज के तहत 48 एफ-35 एयरक्राफ्ट शामिल हो सकते हैं।

एफ-35 अमेरिकी रक्षा समूह के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक है, जिसमें अत्याधुनिक स्टील्थ तकनीक के साथ-साथ उन्नत रडार, सेंसर, एवियोनिक्स और डेटा-शेयरिंग सिस्टम शामिल हैं। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को आशंका है कि सऊदी अरब के साथ चीन के बढ़ते सैन्य संबंध बीजिंग को एयरक्राफ्ट की क्षमताओं और तकनीक के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने का मौका दे सकते हैं। ये चिंताएं केवल जेट तक सीधी पहुंच तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुफिया जानकारी जुटाने, सैन्य सहयोग और सऊदी कर्मियों के चीनी तकनीक के संपर्क में आने से भी संवेदनशील जानकारी लीक होने का खतरा है।

सऊदी अरब ने वाशिंगटन और बीजिंग दोनों के साथ अपने रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंधों को बनाए रखा है। चीन ने पहले रियाद को बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताएं विकसित करने में मदद की है, जिससे संवेदनशील अमेरिकी रक्षा प्रौद्योगिकी की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की चिंताएं और बढ़ गई हैं। इसके अलावा, इस प्रस्तावित बिक्री ने क्षेत्र में इजरायल की सैन्य बढ़त (क्वालिटेटिव मिलिट्री एज) को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, मध्य पूर्व में इजरायल एकमात्र देश है जो एफ-35 का उपयोग करता है और वह इसके कस्टमाइज़्ड वर्शन एफ-35आई को उड़ाता है। वाशिंगटन की लंबे समय से यह नीति रही है कि क्षेत्र के अन्य देशों के मुकाबले इजरायल की सैन्य क्षमता हमेशा बेहतर बनी रहे।

30 हजार से 3.5 लाख तक कैसे पहुंचे हूती लड़ाके, सऊदी अरब के लिए नया युद्ध संकेत

सना

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ता संघर्ष अब सिर्फ यमन की सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। कभी करीब 30 हजार लड़ाकों वाला हूती गुट आज 3.5 लाख तक के सैन्य नेटवर्क का दावा कर रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस संगठन की ताकत इतनी तेजी से कैसे बढ़ी, उसे इतने लड़ाके कहां से मिले और क्या यह विस्तार सऊदी अरब के लिए एक नए, लंबे युद्ध का संकेत है यहां यह समझना महत्वपूर्ण है कि हूतियों की ताकत केवल 30 हजार से 3.5 लाख की सीधी भर्ती की कहानी नहीं है। यह अनुमान उनकी नियमित सैन्य इकाइयों, कबायली समर्थकों, स्थानीय लड़ाकों और बड़े मोबिलाइजेशन नेटवर्क को मिलाकर है; इसलिए इसे अधिकतम आकलन मानकर देखना चाहिए, न कि पूरी तरह सत्यापित स्थायी सेना।

हूती आंदोलन ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जे के बाद उत्तर-पश्चिमी यमन के बड़े हिस्से

पर प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत किया। उसके नियंत्रण वाले इलाकों में यमन की लगभग दो-तिहाई आबादी रहती है। इससे उसे टैक्स वसूली, संस्थाओं, स्थानीय नेटवर्क और युवाओं तक सीधी पहुंच मिली, जो लगातार भर्ती का एक मजबूत आधार बनी। इसके अतिरिक्त, 2015 से सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य हस्तक्षेप और लंबे हवाई हमलों को हूतियों ने विदेशी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध के नैरेटिव में बदला। सैन्य दबाव उन्हें कमजोर करने के बजाय कई जगह नए समर्थक जुटाने का माध्यम बना। अमेरिका के साथ 2025 के संघर्ष विराम के बाद संगठन को अपने ढांचे की मरम्मत, फोर्स को दोबारा संगठित करने और भर्ती बढ़ाने का समय मिला। एक विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका और सऊदी अरब के विरुद्ध प्रतिरोध में जीत की कहानी को घरेलू लामबंदी के लिए सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। हूती लड़ाकों की संख्या में सबसे तेज उछाल अक्टूबर 2023 में इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद देखा गया। इस दौरान हूतियों ने अपने अभियान को फिलिस्तीन और गाजा के समर्थन से जोड़ा और अल-अक्सा फ्लड नाम से बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान चलाया। संयुक्त राष्ट्र के आकलन का हवाला देते हुए मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट ने कहा कि हूती लड़ाकों का अनुमान 2022 के करीब 2.2 लाख से बढ़कर 2024 में 3.5 लाख तक पहुंचा इस तेज उछाल का एक प्रमुख कारण यही भर्ती अभियान और गाजा युद्ध से बना भावनात्मक-राजनीतिक माहौल बताया गया है। हालांकि, यह विस्तार सिर्फ अपनी इच्छा से भर्ती से नहीं हुआ है। कई रिपोर्टों में जबरन भर्ती और बच्चों को सेना में शामिल करने की बात भी सामने आई है। ईरान ने हूतियों को हथियारों के पुर्जे, तकनीकी जानकारी, ट्रेनिंग और खुफिया सहयोग दिया है। अमेरिकी कांग्रेस रिसर्च सर्विस के अनुसार, ईरानी सहायता ने हूतियों को लंबी दूरी की मिसाइलें, राकेट और ड्रोन विकसित और असेंबल करने की क्षमता दी; हूती लड़ाकों को ईरानी नौसैनिक अकादमी और आईआरजीसी से प्रशिक्षण मिलने की भी रिपोर्ट है। लेकिन ईरानी मदद ने मुख्यतः हूतियों की मारक क्षमता बढ़ाई है; लड़ाकों की बड़ी संख्या के पीछे स्थानीय सत्ता, आर्थिक नियंत्रण, धार्मिक प्रचार और युद्ध के दौरान मजबूत भर्ती तंत्र ज्यादा अहम कारण रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. बच्चों के साथ शाम के वक्त समय जरुर बिताए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्रोत बढेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 सितंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 03:28 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 01:43 तक
योग : आयुष्मान दोपहर 02:29 तक
करण : बव सायं 03:28 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीराधा अष्टमी , दुर्गा अष्टमी , दूबडी आठे , गौरी विसर्जन , गण्डमूल रात्रि 01:43 तक , दधिचि जयंती , महालक्ष्मी व्रत पूर्ण

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए ओजोन फार्मास्यूटिकल्स की अनूठी पहल 'ओजोन शील्ड'

हिंसा, धमकी, उत्पीड़न और कानूनी मामलों में डॉक्टरों को मिलेगी सुरक्षा, कानूनी व भावनात्मक सहायता

नई दिल्ली, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉक्टरों के साथ बढ़ती हिंसा, धमकी, उत्पीड़न और बेबुनियाद कानूनी मामलों को देखते हुए ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने 'ओजोन शील्ड' की शुरुआत की है। कंपनी के मुताबिक, यह किसी भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी की ओर से डॉक्टरों की सुरक्षा और कल्याण के लिए शुरू की गई अपनी तरह की पहली पहल है।

नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में इस पहल की शुरुआत डॉ. किरण बेदी (आईपीएस), पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में की।

'ओजोन शील्ड' के तहत मुश्किल परिस्थितियों में फंसे डॉक्टरों को सुरक्षा सहायता, कानूनी मदद और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य ऐसे समय में डॉक्टरों के साथ खड़ा होना है, जब उन्हें ड्यूटी के दौरान हिंसा, धमकी या किसी कानूनी विवाद का सामना करना पड़े।

डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ी चिंता को हाल ही में सामने आए आंकड़े भी दिखाते हैं।

एम्स, सफदरजंग अस्पताल और वीएमएमसी के विशेषज्ञों द्वारा इस वर्ष 1,500 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों पर किए गए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे में 78.4 प्रतिशत स्वास्थ्यकर्मियों ने ड्यूटी के दौरान धमकी मिलने की बात कही, जबकि 58.2 प्रतिशत ने अपने कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित महसूस नहीं किया। कई मामलों में कानूनी कार्रवाई के बाद डॉक्टरों को अदालत से राहत भी मिलती है।

नटराज म्यूज़िक एंड डांस अकादमी के तत्वावधान में

17वां 'वैसाखी नृत्योत्सव' 26-27 सितंबर को

विशाखापट्टनम, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदलते समय और आधुनिक तकनीक के दौर में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पारंपरिक शास्त्रीय कलाओं को संरक्षित एवं जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से नटराज म्यूज़िक एंड डांस अकादमी के तत्वावधान में 26 एवं 27 सितंबर 2026 को विशाखापट्टनम में 17वां वार्षिक 'वैसाखी नृत्योत्सव' आयोजित किया जाएगा। इसका नेतृत्व कुचिपुड़ी नर्तक, नाट्य निर्देशक, अंतरराष्ट्रीय नृत्य महोत्सवों के आयोजक एवं पत्रिका संपादक बत्तिना विक्रम कुमार (विक्रम गौड़) कर रहे हैं।

वर्ष 2000 में विशाखापट्टनम को केंद्र बनाकर स्थापित नटराज म्यूज़िक एंड डांस अकादमी का उद्देश्य सांस्कृतिक गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप प्रदान करना है। प्रख्यात कला साधक एवं 'नाट्य विक्रमार्क' विक्रम कुमार बी.आर. ने आंध्र विश्वविद्यालय से कुचिपुड़ी नृत्य में एम.ए. डिस्टिंक्शन के साथ प्राप्त किया तथा विश्वविद्यालय में पृथक नृत्य विभाग की स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने 'कुचिपुड़ी में शिव तांडवसप्त तांडव' विषय पर शोध भी किया, जिसे विश्वविद्यालय ने स्वीकृति प्रदान की।

विक्रम कुमार द्वारा पारंपरिक कुचिपुड़ी के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिक प्रस्तुति शैली में तैयार 'चेंचु लक्ष्मी नरसिंह कल्याणम्' की देशभर में 100 से अधिक प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। 'भगीरथ विलासम्', 'महाविशाखा वैभवमऊ' और 'श्रीकृष्ण लीलाएं' जैसे नृत्य रूपकों को भी सराहना मिली है। उन्होंने 'कन्याशुल्कम्', 'सत्य हरिश्चंद्र', 'बोब्बिली युद्धम्' और 'वंदे मातरम्' जैसे नाटकों का निर्देशन एवं मंचन किया है तथा इन प्रस्तुतियों के लिए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से प्रशंसा प्राप्त की।

अकादमी आईएसओ 9001:2008 मान्यता प्राप्त है और यूनेस्को के अंतर्गत इंटरनेशनल डांस काउंसिल (सीआईडी) से मान्यता प्राप्त आंध्र प्रदेश की पहली अकादमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है।

प्राकृतिक खेती व डेयरी फार्मिंग मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम का आगाज

जयपुर, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राकृतिक खेती और डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रुद्र शिवम डेयरी, पूर्व गोकुल ग्राम, बहराना, बीचून, जयपुर में तीन दिवसीय आवासीय प्रमाणित 'मास्टर ट्रेनर प्रोग्राम' का शुभारंभ हुआ। अगरवेदा ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों और किसान प्रतिनिधियों ने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था तथा टिकाऊ कृषि मॉडल पर विचार-विमर्श किया। मुख्य वक्ता सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि 'गौ महाकुंभ' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि विश्वविख्यात संत ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी की प्रेरणा से सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर करीब 10 हजार गायों की क्षमता वाले 'गोकुल ग्राम' स्थापित करने का मिशन पिछले 10 वर्षों से चलाया जा रहा है।

शर्मा ने बताया कि वर्तमान प्रशिक्षण स्थल देश का पहला 'गोकुल ग्राम पायलट प्रोजेक्ट' है, जो आसपास के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती, जैविक खाद उत्पादन और उन्नत डेयरी प्रबंधन का सर्वसुविधायुक्त सुविधा केंद्र बनेगा।अगरवेदा ग्लोबल के चेयरमैन डॉ. प्रदीप मिश्रा और वाइस चेयरमैन डॉ. सुरेंद्र अवाना के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण में कान्हा निकम, इंजीनियर रत्नेश शर्मा, डॉ. विनोद चौधरी, मनवीर रेढ़ू, कानसिंह निर्वाण, दीपक एस. राघव, डॉ. भीकमचंद चौहान, डॉ. सुनीलदत्त खरगल और डॉ. भगवान सिंह सिंगोरिया सहित विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आगामी 'गौ महाकुंभ' की रूपरेखा और गौ-आधारित सतत विकास मॉडलों पर भी चर्चा की गई।

विधायक व सरपंच कार्यक्रम में विधायक ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

छोटे व्यापारियों के लिए शेड, खराब सीसी सड़क के पुनर्निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का दिया आश्वासन

मदनूर, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री थोथा लक्ष्मी कांता राव ने 'विधायक व सरपंच कार्यक्रम' के अंतर्गत मदनूर मंडल केंद्र के साथ-साथ पेद्दा ताडगुर, अंतापुर और सोमुर गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा विभिन्न मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान मदनूर की सरपंच उषा संतोष ने विधायक श्री थोथा लक्ष्मी कांता राव से कहा कि मदनूर मंडल केंद्र में छोटे-मोटे व्यापारियों को व्यापार करने के लिए शेड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने विधायक से स्थानीय तहसीलदार से बातचीत कर सड़क के किनारे उपलब्ध स्थान पर छोटे-मोटे व्यापारियों के लिए शेड निर्माण हेतु जगह उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यापारियों को सुविधा मिलने के साथ ही ग्राम पंचायत को भी आय प्राप्त होगी। इसी दौरान सावले मियां ने कब्रिस्तान से दुकानें खाली कराने तथा कंपाउंड दीवार का निर्माण कराने की मांग विधायक के समक्ष रखी। इस पर विधायक ने बताया कि रेवंत रेड्डी सरकार मैनरट्टी कब्रिस्तान के संबंध में निधि मंजूर कर रही है। निधि मंजूर होते ही संबंधित कार्य पूरा किया जाएगा। स्थानीय जनता ने विधायक से बातचीत के दौरान बताया कि गांधी चौक से लेकर आर्य समाज तक करीब एक वर्ष पहले बनाई गई सीसी सड़क खराब हो गई है। इस पर विधायक ने सड़क का दोबारा सीसी सड़क के रूप में निर्माण कराने का आश्वासन दिया। विधायक ने आगे बताया कि सरकारी अस्पताल की मरम्मत के लिए 30 लाख रुपये, तहसील कार्यालय के निर्माण के लिए एक करोड़ 50 लाख रुपये तथा डिग्री कॉलेज भवन के निर्माण के लिए निधि मंजूर की जा रही है। विधायक श्री थोथा लक्ष्मी कांता राव ने बताया कि वर्ष 2027 और 2028 में लैंडी परियोजना का पानी मदनूर और डोंगली मंडल के किसानों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जनता से याचिकाएं स्वीकार करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करने का भी वादा किया।

ऋषि शृंग भवन में राजस्थान, सोजत सिखवाल समाज के अध्यक्ष श्रीमान जगदीशप्रसाद तिवारी के नगरागमन पर सिखवाल ब्राह्मण समाज, हैदराबाद द्वारा शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान करते हुए धाकड़ी पट्टी के चौधरी श्यामसुंदर उपाध्याय खरतावत, रामदेव नागला, हनुमान प्रसाद व्यास, राधेश्याम उपाध्याय कायत, गिरिराज उपाध्याय, महेंद्र नागला, राधेश्याम उपाध्याय चुतरावत, बद्रीलाल तिवारी एवं विजय पांडिया उपस्थित थे।

बडीचौड़ी स्थित एक्रोपोलिस ट्यूलिप अपार्टमेंट में गणेशजी की पूजा-अर्चना करते हुए नकुल देवड़ा, महेश देवड़ा, नंदकिशोर देवड़ा, पंकज वर्मा, श्रीधर, श्रेयस, शिवा, संजय, वीरेंद्र, आनंद एवं राकेश। इस अवसर पर समिति के बच्चों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना की गई।

गणेश महाराज की पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए बीआरएस पार्टी मंगलहाट प्रभारी एच. कुमार, बकेश सिंह, गोपाल सिंह, रमेश, राजू तथा बालक एवं बालिकाएं। इस अवसर पर गणेश महाराज को लड्डू का भोग अर्पित किया गया।

महा गणपति यूथ एसोसिएशन, गोशामहल, हैदराबाद द्वारा आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित मेट्टुसाई फिशरीज के चेयरमैन सतीश जी, वासु जी, धनराज जी एवं प्रकाश गुप्ता जी ।

पृथ्वी दर्पण वेलफेयर सोसायटी, कवाडीगुड़ा द्वारा स्थापित गणपति की पूजा-अर्चना में परिवार सहित सुनील अग्रवाल, अनिल पटेल, कपिल संपत एवं कॉम्प्लेक्स के सदस्य उपस्थित रहे।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर चूड़ी बाजार स्थित साहू निवास में गणेश मंडप स्थापित किया गया। आज गणेशजी की पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार, सुनील कुमार, स्मिता साहू, मीना साहू, पद्मा बाई, अर्पिता साहू एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कुतबुल्लापुर विधायक के.पी. विवेकानंद ने गजुलारामाराम में 'टीम 1990' द्वारा आयोजित विनायक मंडपम में अन्नदानम कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर एम. लक्ष्मण, महेश कुमार, शिव कुमार, शेखर, मल्लिकार्जुन एवं अन्य उपस्थित थे।

मित्रा यूथ एसोसिएशन, छत्रीनाका, हैदराबाद में 59वें वार्षिक गणेश नवरात्रि उत्सव के अवसर पर दीपोत्सव एवं 1001 बार सहस्रनाम मंत्र का जाप करते हुए गणेशजी को दूर्वा अर्पित की गई। इस पूजा-अर्चना में एमवाईए के महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार, प्रतिनिधि बी. कोटेश, बी. रविंदर चारी, के. सुश्रित, के. सरोज, सी. रघु, बी. नितिन चारी, ऋषि, बी. वेंकटेश, महिला सदस्य बी. जयलक्ष्मी, एस. शैलजा, बी. कल्पना, के. अनुषा एवं अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

शादी में बारिश का होना कैसा शगुन होता है

मौसम कैसा होगा-सबको चिंता होती है कि कहीं बारिश आफत ना बन जाये। लोगों को चिंता रहती है उस दिन मौसम खराब या अप्रत्याशित ना हो जाये इसलिए लोग भावी मौसम की भविष्यवाणी जानते रहते हैं।

शादी है खुशी का दिन- आपकी शादी का दिन आपके जीवन का सबसे खुशी का दिन होना चाहिए। यह दिन प्यार, खुशी, आशा, उम्मीद, और उत्साह से भरा हुआ होना चाहिए।

बारिश फलदायी है-बारिश से सूखे स्थानों को पानी मिलता है, फसलें लहलहाती हैं, इस प्रकार बारिश फलदायी है और इसे अच्छे भाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे ध्यान रखते हुये शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छी किस्मत की निशानी माना जाता है।

बारिश कई अच्छी चीजों की प्रतीक है-आपके जीवन के इस खास दिन पर होने वाली बारिश को कई कारणों से अच्छे भाग्य की निशानी माना जाता है। बारिश आशीर्वाद, सफाई, एकता, और एक नई शुरुआत की प्रतीक है।

कुछ संस्कृतियों में इसे परिवार के बढने की प्रतीक भी माना जाता है। इन सभी सकारात्मक कारणों से शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छा शगुन माना जाता है। आपका क्या मानना है।

आशा और आशीर्वाद-बारिश आशीर्वाद की प्रतीक है, और हर कोई अपनी शादी में आशीर्वाद प्राप्त करना चाहता है। आशीर्वाद आशा और समर्थन का सूचक है। जब आप एक नई संभावनाओं के साथ नई शुरुआत करने जा रहे हों तो आपको आशावादी जरूर होना चाहिए।

समृद्धि-आशीर्वाद, शारीरिक और भौतिक दोनों अर्थों में समृद्धि का प्रतीक है।

एक खुशहाल जीवन की आशा में, शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छे भाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नई शुरुआत-बारिश के बाद हर चीज साफ हो जाती है और हर चीज तरोताजा एवं नई नजर आती है। जो लोग शादी करने करने जा रहे हैं वो भी नए सपने बुनते हुये एक साथ एक नई जिंदगी बसर करने जा रहे हैं। बारिश एक नई शुरुआत की सूचक है।

परिवार के बढने का संकेत- इसके साथ ही बारिश परिवार के बढने का संकेत है। पानी से चीजें उगती और बढती हैं। लोगों को उम्मीद होती है शादी के बाद उन्हें बच्चों की प्राप्ति होगी। इसलिए कुछ संस्कृतियों में माना जाता है बारिश नवयुगल के बच्चे पैदा होने और परिवार बढने का संकेत है, इसलिए यह एक प्रकार का आशीर्वाद है।

भौतिक संपत्ति-चीजों में वृद्धि होने तात्पर्य भौतिक धन-धान्य से है इसलिए यह प्रचुर मात्रा में संसाधनों, उत्पादकता, और एक अच्छी फसल आदि का प्रतीक है।

एकता-शादी के दिन बारिश होने को एकता का सूचक भी मान सकते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि शादी वाले आपस में गठजोड़ करते हैं यानि कि ''गाँठ बांधते हैं।''

भारतीय महिलाएं क्यूं लेती हैं अपने सिर पर घूंघट

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं को हमेशा समाजिक परंपराओं को निभाते और मानते हुए देखा गया है, जैसे कि वे हमेशा ही पारंपरिक कपडे, और गहने, पहनती हैं, माथे पर बिंदी लगाती हैं और सर पर घूंघट लेती हैं। भारत में महिलाओं द्वारा सिर को ढकने की प्रथा ने हमेशा ही हमारे अंदर जिज्ञासा बढाई है, खासतौर पर उन लोगों के लिये जो भारतीय संस्कृति से बिल्कुल अलग हैं। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपे विज्ञान को समझना है जरुरी सिर पर घूँघट डालना अपने से बडों के सम्मान के रूप में देखा गया है, इसलिए महिलाएं अपनों से बडों के सामने अक्सर घूँघट करती हैं। शहरों में यह कुछ कम देखने को मिलता है मगर गांवों में आज भी महिलाएं अपने सर, चेहरा और गर्दन को पुरुषों से ढांक के रखती हैं।

भारतीय महिलाएं घूँघट क्यों लेती हैं।

क्या कहता है हिंदू ग्रंथ: आपको यह जान के आश्चर्य होगा कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में महिलाओं को पर्दे में रहने का कोई उल्लेख नहीं है। यहां तक कि पूजा के समय भी सर पर घूँघट रखना जरूरी नहीं है। भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग सुरक्षा के कारण: कुछ धर्मो में पर्दा रखना इसलिए जरुरी है, क्योंकि यह माना जाता है कि अगर महिलाएं खुद को पर्दे में रखेंगी तो वे अन्य पुरुषों से सुरक्षित रहेंगी। महिलाएं केवल अपने पति या पिता के सामने बेपर्दा हो सकती हैं।

मुस्लिम का आक्रमण: महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज मुस्लिम शासन के बाद से हुआ है। भारत में राजपूत शासन के दौरान महिलाओं को आक्रमणकारियों के बुरे इरादों से बचाने के लिए उन्हें पर्दा में रखा जाता था। इसका सबसे बडा उदहारण हैं चित्तौड की रानी पद्मिनीजिनकी खूबसूरती को देख कर अल उद दीन खिलजी ने उन्हें पाने के लिए चित्तौड पर आक्रमण कर था। लेकिन रानी पद्मिनी ने जौहर का प्रदर्शन किया और दुश्मन के चंगुल से बचने के लिए खुद को आग के हवाले कर दिया। तब से भारत में महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज शुरू हो गया। घूँघट का अस्तित्व मध्यकालीन के बाद से आया है, उस वक्त इसकी आवश्कता थी लेकिन समय के साथ इसे महिलाओं के ऊपर थोपा जाने लगा।

क्या हैं यमराज द्वारा बताये मृत्यु रहस्य

हम सभी जानते हैं कि हम अमर नहीं हैं और एक दिन हमें मरना है। काल की घडी में धनी राज या भिखारी का एक ही स्थान है। जब भी मृत्यु का विषय आता है, चर्चा काफी रोचक हो जाती है क्योकि सभी मृत्यु के बारे में और जानना चाहते हैं। लोग मृत्यु के बारे में सब कुछ जानने के लिये जिज्ञासु हो जाते हैं। जो लोग ऐसी चीजों के बारे में जानना चाहते हैं वो सही जगह पर आये हैं क्योकि बोल्डस्की मृत्यु के देवता यमराज द्वारा मृत्यु के बारे में बताये गये कुछ छिपे रहस्यों को उजागर कर रहा है। प्रचीन धर्मग्रन्थों के अनुसार मृत्यु और आत्मा के रहस्यों के बारे में यमराज और नचिकेत नामक बालक के बीच चर्चा हुई थी। क्या है हिन्दु धर्म में मृत्यु का संकेत यहाँ पर कुछ रहस्यों को उजागर किया जा रहा है जिन्हें मृत्यु के देवता यमराज द्वारा नचिकेत को बताया गया था।

नचिकेत के वरदान-

जब नचिकेत यमराज से मिलने गये तो उन्हों ने तीन वरदान माँगे। पहले वरदान में पिता के प्रेम की कामना, दूसरे में अग्नि विद्या का ज्ञान और तीसरे में मृत्यु और आत्मा का ज्ञान माँगा। यमराज अन्तिम वरदान को नहीं पूरा करना चाहते थे लेकिन बालक ने हठ किया। इसलिये यमराज मृत्यु के बाद क्या होता है, इसके रहस्योद्घाटन के लिये तैयार हो गये।

रहस्योद्घाटन -

धर्मग्रन्थों के अनुसार यमराज ने बताया कि ओउम (ओंकार) परमात्मा का स्वरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि मनुष्य के हृदय में ब्रहमा का वास होता है।

आत्मा -

यमराज ने कहा कि आत्मा मनुष्य की मृत्यु के बाद भी नहीं मरती। संक्षेप में, शरीर का आत्मा के विनाश से कोई सम्बन्ध नहीं है। आत्मा कभी जन्म नहीं लेती न मरती है।

ब्रहमरूप -

मृत्यु के बाद मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र को पूरा करता है। इसका मतलब यह है कि मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र अर्थात ब्रहम रूप से मुक्त हो जाता है।

ईश्वरीय शक्ति -

यमराज ने कहा कि जो लोग ईश्वर में आस्था नहीं रखते और नास्तिक होते हैं वे मृत्यु के बाद भी शान्ति की तलाश में रहते है। उनकी आत्मायें भी शान्ति की तलाश करती है।

दुनिया में हर चीज है नश्वर

दुनिया में हर काम में लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, इसलिए नहीं कि उनमें समझ नहीं रहती है बल्कि वो उस तक अक्षम्य होते जाते हैं, उस काम को करने में, उस काम को उस तरीके से समझने में, उसकी आधुनिकता को समझने में। अगर आप भी किसी काम को बखूबी करने के बाद अचानक से उसमें गिरावट महसूस करते हैं तो समझें कि शायद आपको उसमें भी कुछ नयापन लाने की जरूरत है या फिर आपको उस काम सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए। दुनिया में जो भी निर्मित है, जिसका भी निर्माण किया गया है, सभी में अध्यात्म का सार होता है, सभी के जीवन का एक चक्र होता है। एक सम्पूर्ण जीवन के बाद उसे खींचना या जबरन इस्तेमाल करना या चलाना सिर्फ मनुष्य की जिद होती है।

सम्पूर्णता होने के बाद संभावनाओं के बारे में सोचना गलत नहीं है लेकिन उसे पाना गलत है। दुनिया में हजारों लोग इस भंवर में फसे रह जाते है, उन्हे समझ नहीं आता है कि यर्थाथ क्या है,सत्य क्या है। कई बार तो वे सत्य जानते हुए भी दूर भागते हैं। खुद को मूर्ख बनाने से बेहतर है कि आपका जीवन के प्रति उठाया गया हर कदम सटीक और भावपूर्ण हों, उसमें कोई आशा और निराशा न हों। शरीर से परे भी दुनिया में पाने को बहुत कुछ है, खुद को समझें, अपने आप को समझें, अपनी सोच को समझें, जो देखा है, दिखा हुआ है, समझा हुआ है, उसे समझकर क्या करना। जो इंसान शरीर को समझता है, उसे लगता है दुनिया में शरीर ही सबकुछ है, उसे बुढापे से डर लगता है, क्योंकि उसे अनुभव से प्यार नहीं होता है। शरीर का बूढा होना समस्या नहीं है, यह तो आर्शीवाद है लेकिन हम इससे ही कतराते हैं क्योंकि हम दुर्बल हो जाते हैं। मछली-जब एक बार आप जीवन में उच्च शिखर पर पहुंच जाते है, तो आपको अपने जीवन की दिशा और ऊर्जा को सही करने का मौका मिलता है, बस उस बिंदु को जिसने समझा वह सच्चा व्यक्ति है। सफलता और सच्चाई में रत्ती भर भी अंतर नहीं है दोनों ही पूरक हैं। लडकी-हर व्यक्ति को याद रखना चाहिए कि जिस दिन उसका जन्म होता है उसी दिन से उसके मरने की स्पीड क्लॉक चलने लगती है, कोई भी नश्वर नहीं होता है। अगर आप एक अच्छे विश्लेषणकर्ता है तो आपको कई बार इसका आभास भी हो जाएगा। अगर आप इन बातों को मजाक मानते हुए शरीर को ही सबकुछ मान लेते हैं तो स्वयं को मूर्ख बनाते हैं। पत्थर-बढती उम्र सिर्फ इतना ही नहीं है कि आपका शरीर कांपने लगा है, इसे आप दूसरे तरीके से देख सकते हैं।

आपने इतनी उम्र बिताई, हजारों यादें लोगों को दी और उन्हे प्रेरणा दी, सहारा दिया, प्यार दिया, अच्छे पल दिए , इसलिए जब आखिरी सांसे लें तो मुस्कराएं और सोचे कि जो भी वक्त बिताया वो बेहतरीन था। इस सोच की कमी हमारी गलती नहीं हैं बल्कि हमारी पारंपरिक सोच का नतीजा है, हमारा हर तरीके से न सोचने का परिणाम है। कई बार तो जिंदगी के बुरे अनुभव भी लोग एक-दूसरे के साथ साझा नहीं करते हैं उन्हे लगता है कि इससे बदनामी होगा, उन्हे शायद यह नहीं मालूम होता है कि न अनुभवों से किसी को राह मिल सकती है, किसी को सबक मिल सकता है। पर नही हम कभी ऐसा नहीं करते हैं। हमें अमरता चाहिए, हम डरते हैं कि हम नश्वर है, पर सच ये है कि दुनिया में हर क्षण, हर दिल, हर वस्तु, प्राणी सब कुछ नश्वर है। नाश सभी का होता है पर अनुभव उसे जीवित रखता है। जीवन में मृत्यु में फर्क नहीं होता है, फर्क सोच में होता है।

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है। यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

हम क्यूं चढाते हैं सूर्य देवता को जल

हमारे माता- पिता और दादा -दादी हमें बचपन से सिखाते आये है की सुबह जल्दी उठो और सूर्य को जल चढाओ ऐसे समाज में जहाँ हम संस्कारों, विश्वाशों और मान्यताओं को मानते हैं वहीँ या जानना जरूरी है कि सूर्य को जल चढाना वाकई में लाभप्रद है या एक झूठी मान्यता है।

अनेकों शोधकर्ताओं ने लोटे से सूर्य को जल चढाने के वैज्ञानिक कारण बताये हैं। जब हम दोनों हाथ सूर्य की ओर ऊपर करके लोटे से जल प्रवाहित करते हैं तो लोटे से बहुत हल्की धार नीचे आती है और हम सूर्य की तेज किरणों के कारण उसकी तरफनहीं देख सकते हैं। जब कि हमारे पूर्वज प्रात: काल की बेला में जब सूर्य उदय होता है तो बडे किनारों वाले बर्तन से सूर्य को जल चढाते थे कुछ धर्मों में क्यूं वर्जित है प्याज, लहसुन और मदिरा का सेवन जब वे सूर्य की ओर जल चढाते थे तो गिरते हुए पानी में आँखों के सामने सूर्य की परछाई दिखाई देती थी इससे हमारे पूर्वज ओर साधू संत सूर्य के दर्शन कर लिया करते थे।

इससे सूर्य की किरणें बहते पाने से फिल्टर होकर आती थी जो कि ना केवल आखों के लिए अच्छा है बल्कि इससे हमारे पूर्वजों को शरीर और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार होता था।

वैज्ञानिकों के अनुसार सुबह के समय सूर्य की किरणे मनुष्य के लिए लाभकारी है क्यों कि हमारा शरीर ऊर्जा से बना है और एक प्रकाश पुंज की भांति है। मनुष्य का शरीर हवा (वायु), पानी (जल), धरती (पृथ्वी), अग्नि (एनर्जी) और अंतरिक्ष (आकाश) से मिलकर बना है इसलिए शरीर की बिमरियों का ईलाज इन पांच तत्वों में निहित है और उगते हुए सूर्य की किरणें इनमे से एक हैं। सूर्य की किरणों में बहुत सी बिमारियों का ईलाज संभव है जैसे कि हार्ट की बीमारियां, आँख, पीलिया, कुष्ठ और कमजोर दिमाग से सम्बंधित बीमारियां हिंदू क्यूं नहीं खाते गोमांस ऋग्वेद में कहा गया है कि सूर्य हमें जगाता है। इसी के कारण हम एक्टिव रहते हैं और काम कर पाते हैं। सारा चराचर जगत सूर्य पर निर्भर है। सूर्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कमजोरियों को हटाकर हमें स्वस्थता और लम्बी उम्र प्रदान करता है। सूर्य के सात रंग स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यदि व्यक्ति सुबह नहा-धोकर पूजा अर्चना करे और इसके बाद सन- बाथ ले यानि सूर्य की किरणों को अपने ऊपर आने दे तो इससे शरीर को रोगमुक्त रखा जा सकता है और बुद्धिमता भी बढाई जा सकती है।

दूसरी तरफ कुछ लोगों की मान्यताएं हैं कि सूर्य प्यासा नहीं है और क्या इस तरह हमारा जल सूर्य तक पहुँचता है। इसको सिद्ध करने के लिए एक संत ने गंगा के किनारे पानी को निकलने के लिए 2-3 फीट का एक रास्ता बना दिया जब लोगों ने पुछा कि वह गंगा के पवित्र पानी को खराब क्यों कर रहा है तो संत ने कहा कि उसने पानी को अपने खेतों की और मोडा है। अन्य संतों ने क्रोधित होकर कहा कि पानी ऐसे उसके खेतों तक कैसे जा सकता है तो संत ने मुस्कुराते हुए कहा कि तो क्या तुम्हारे द्वारा सूर्य को चढाया हुआ जल क्या उस तक पहुँचता है।

फिर भी 'अर्घ्य' के बारें में हम कौनसी मान्यता को मानें और दो दार्शनिकों में मतभेद बरकरार रहता है।

इस पर्वत पर गिरा था देवी सती का सिर

चंबा-मसूरी मोटर मार्ग पर तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर सुरकुट पर्वत पर सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर स्थित है। मान्यता है कि देवी सती का सिर इस पर्वत पर गिरा था। गंगा दशहरे के मौके पर यहां मेला लगता है, जबकि हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जब राजा दक्ष ने हरिद्वार कनखल में यज्ञ किया तो उसमें भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। शिव के मना करने पर भी देवी सती यज्ञ में शामिल होने चली गई। वहां भगवान शिव का अपमान होने पर वे यज्ञ में कूद गई। भगवान शिव को जब यह पता चला तो वह क्रोधित होकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे। यहां सती की देह को त्रिशूल में लटकाकर सृष्टि में विचरण करने लगे। इस दौरान सुरकुट पर्वत पर सती का सिर गिरा जिस कारण इसका नाम सुरकंडा पडा। तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर इकलौता सिद्धपीठ है, जहां गंगा दशहरे के मौके पर मेला लगता है और हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास बात यह है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में रौंसली (थुनेर) के पत्ते दिए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस सिद्धपीठ के दर्शनों के लिए यहां आते हैं।

बुद्ध संसार के हर प्राणी से इतना प्रेम करते थे

भगवान बुद्ध एक बार उपदेश देने एक गांव में पहुंचे। वहां उनके पडाव का अंतिम दिन था। तब वह उस गांव के एक व्यक्ति के यहां पहुंचे। वो गरीब था। उसके पास भगवान बुद्ध के आतिथ्य के लिए कुछ भी न था। तब उसने घर के बाहर देखा। जहां उसकी नजर बरसात में भीगी लकडियों पर पडी, जिन पर कुकुरमुत्ता(मशरूम) लगे हुए थे। उसने उन्हें तोडा और बडे ही प्रेमपूर्वक उनकी सब्जी बनाई। लेकिन उस गरीब को पता नहीं था की मशरूम काफी कडवे जहर के समान थे। वह बुद्ध से पूछता कि कैसा है भोजन और बुद्ध कहते बहुत ही स्वादिष्ट। मशरूम जहरीले थे। जिसके कारण उसका जहर बुद्ध के शरीर में फैल गया। यह देख उस व्यक्ति ने वैद्य को बुलाया। वैद्य ने बुद्ध से कहा, कि जब आपको मशरूम कडवे लगे तब आपने उस व्यक्ति से क्यों नहीं कहा।

काम के बाद यूं हों तनावमुक्त

काम के घंटों के बाद भी इसके बोझ तले दबी रहती हैं? तो इन सुझावों पर ग़ौर करें.

काम से जुड़े फ़ोन कॉल्स सुनना, देर रात तक ईमेल्स के जवाब देना और निजी व काम से जुड़े फ़ोन कॉल्स को एकसाथ हैंडल करना, वो भी ग़ैर-सेहतमंद स्नैक्स खाते हुए और बेवजह टीवी देखते जाना-क्या ये बातें ऑफ़िस के काम के बाद के आपके जीवन का खाका खींच रही हैं? न्यूज फ़्लैश-आपको स्विच ऑफ़ करने की जरूरत है! पुरुष काम के बाद आराम करते हैं, लेकिन महिलाएं काम के बाद ये भी सुनिश्चित करती हैं कि घर पर सभी चीजें सही तरह से हों. इस वजह से उन्हें तनाव से संबंधित समस्याएं होने लगती हैं, जो उम्र के चौथे दशक में प्रभाव दिखाती हैं,'' बताती हैं अमृता जयकृष्णन.

1. गहरी सांस लें: हममें से अधिकतर लोग काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि सही ढंग से सांस लेना भी भूल जाते हैं. ''तो जैसे ही आप घर पहुंचें सबसे पहले गहरी और धीमी सांसें लेने के लिए समय निकालें. जब आपके लंग्स को ऑक्सीजन का ताजा प्रवाह मिलेगा, हमेशा तनाव में कमी महसूस होगी,'' अमृता कहती हैं.

कोकूनिंग: दोनों हथेलियों को चेहरे के दोनों ओर इस तरह रखें कि कनिष्ठिका आइलिड पर, अनामिका कानों के पास और अंगूठा जबड़े के पास हो. नाक से सांस लेते और छोड़ते समय (चार की गिनती गिनने तक) कुछ मिनटों तक ऐसा करें

2. दिन की थकान धो डालें: यदि आपका दिन बुरा बीता तो मन को बेहतर करने का त्वरित तरीक़ा है स्नान करना. ''मैं घर आते ही सबसे पहले स्नान करती हूं,'' कहती हैं गुड़गांव की प्रोफ़ेशनल कृति कपूर. सुगंधित मोमबत्ती जलाएं और स्नान के बाद आराम पहुंचानेवाले ऑयल्स, जैसे-लैवेंडर या रोज का इस्तेमाल करें.

सहज रहें: यदि स्नान नहीं करना है तो मेंटल और स्किन क्लेंजिंग नियम का पालन करें. पायजामा या आरामदेह पैंट्स (सैटिन या कॉटन के) ख़रीदें, उसे पहनें, ताकि आप सहज मूड में आ सकें और अपने लिए एक शांति देनेवाली चाय बनाएं.

3. तनावमुक्त होने का समय निकालें: एक ऐसी हॉबी रखें, जो आपके काम से अलग हो. ''मैं आर्मी में कार्यरत हूं, वहां काम बहुत व्यस्ततावाला है. मैं कैम्प्स के आसपास पड़े फ़र्नीचर के टूटे टुकड़े उठा लाती हूं और उनसे बुक शेल्व्स या वॉल ऑर्नामेंट्स बनाती हूं,'' कहती हैं कैप्टन स्वाति यादव. आप कुकिंग या बुनाई जैसे शौक़ भी चुन सकती हैं.

ऐलेक्जेंडर टेक्नीक: आफिस के बाद के रुटीन से पहले सुनिश्चित करें कि आप तनावमुक्त हो जाएं. इसके लिए 10 मिनट तक ऐल्क्जेंडर टेक्नीक सेमी-सपाइन पोजिशन में लेटें. इससे तनाव और पीठ दर्द कम होता है. यह शाम के लिए आपको सहज बना देता है.

घर लौटते समय

» उन कामों की सूची बनाएं, जो आपने आज निपटाएं हैं, ताकि आपके भीतर 'आज बढ़िया काम किया' वाला एहसास जागे. इस काम को ऑफ़िस छोड़ने से पहले ही कर डालें.

» अपनी सोच को लिखने के लिए एक डायरी हमेशा पास रखें. आप स्मार्टफ़ोन पर भी ऐसा कर सकती हैं-माय डायरी या प्राइवेट डायरी जैसे ऐप्स डाउनलोड करें.

» अपने स्मार्टफ़ोन या आई पैड में एक डीस्ट्रेसिंग गानों की प्लेलिस्ट रखें. साइकोलॉजिस्ट्स कहते हैं कि कुछ आवाजें हमें ख़ुशी और सुकून देती हैं-ये आवाजें प्रकृति की या फिर ऐसे गानों की होती हैं, जिनसे कोई ख़ुशनुमा घटना जुड़ी हो.

भोग-विलास करने वालों का अंत निकट

महान राजनीतिज्ञ और कुटनीतिज्ञ होने के साथ-साथ इन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना व चन्द्रगुप्त मौर्य को सम्राट बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। पाटलिपुत्र से संबंध होने के कारण उसे इन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया। आचार्य चाणक्य एक बड़े दूरदर्शी विद्वान थे। चाणक्य जैसे बुद्धिमान, रणनीतिज्ञ, चरित्रवान व राष्ट्रहित के प्रति समर्पित भाव वाले व्यक्ति भारत के इतिहास में ढूंढने से भी बहुत कम मिलते हैं। इनकी नीतियों में उत्तम जीवन का निर्वाह करने के बहुत से रहस्य समाहित हैं, जो आज भी उतने ही कारगर सिद्ध होते हैं। जितने कल थे। इन नीतियों को अपने जीवन में अपनाने से बहुत सी समस्याओं से बचा जा सकता है। चाणक्य के अनुसार जो व्यक्ति भोग-विलास में लिप्त रहता है उसका अंत निकट रहता है।

इन्द्रियवशवर्ती चतुरंगवानपि विनश्यति।

भावार्थ: राजा चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, यदि वह भोग-विलास में अपना अधिकांश समय व्यतीत करता है तो ऐसा राजा शीघ्र ही नष्ट हो जाता है अथवा पराजित होकर मारा जाता है।

बोन कैंसर की चिकित्सा कैसे करें

एक उम्र के बाद हड्डियों में दर्द होना आम बात है लेकिन कई बार समय से पहले ही हड्डियों में दर्द होने लगता है। वृद्धावस्था में होने वाला हड्डियों में दर्द ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो सकती है या फिर हड्डियों में कमजोरी के कारण ऐसा हो सकता है। लेकिन हड्डियों में कम उम्र में होने वाला दर्द बोन कैंसर हो सकता है। बोन कैंसर आमतौर पर कम उम्र में होता है और कैंसर की अवस्था भी उम्र के हिसाब से अलग-अलग होती है। बोन कैंसर चिकित्सा करने के लिए यह पता लगाना जरूरी होता है कि आखिर बोन कैंसर किस स्टेज का है। आइए जानें बोन कैंसर की चिकित्सा कैसे करें।

■ यह तो सभी जानते हैं वृद्धावस्थां में होने वाला हड्डियों में दर्द बहुत खतरनाक होता है लेकिन जब यही हड्डियों का दर्द बच्चों को हो तो आप कल्पना कीजिए बच्चों के लिए कितना असहनीय हो सकता है।

■ आमतौर पर 5 से 25 साल तक की उम्र में होने वाले हड्डियों के दर्द को ही बोन कैंसर कहा जा सकता हैं।

■ कम उम्र में हड्डियों में होने वाले दर्द को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए । बल्कि इसका सही समय पर इलाज करना चाहिए। अन्यथा ये आगे चलकर बोन कैंसर का रूप ले सकता हैं बोन कैंसर का कारण जेनेटिक लेवल में किसी गड़बड़ी के कारण होता है, इसीलिए यह बीमारी कम उम्र या युवावस्था में होती है।

■ बोन कैंसर को पहचानना मुश्किल होता है । क्योंकि इसके लक्षण सामान्य रूप से होने वाले दर्द की तरह ही होते हैं।

■ बोन कैंसर अधिकतर हाथ-पैरों की में ही होता है और हड्डियों में सूजन आने पर बढ़ने लगता है।

■ बोन कैंसर के इलाज के लिए जरूरी है कि यह पता लगाया जाएं कि बोन कैंसर किस अवस्था का है यानी बोन कैंसर दो रूपों में होता है इविंग सारकोमा और ओस्टियो सारकोमा।

■ यदि बोन कैंसर ओस्टियो सारकोमा है तो यह कैंसर आमतौर पर हड्डियों के आखिरी भाग में होता है। ये कैंसर होने पर इसके कारणों का पता लगाना बहुत जरूरी है और इविंग सारकोमा बड़ी हड्डियों में होता है।

■ कैंसर का इलाज जांच के बाद ही होता है। जांच में कैंसर किस जगह पर है, किस प्रकार का है, किस स्टेज पर है यह पता लगने के बाद ही इलाज संभव है। हालांकि बोन कैंसर का इलाज कई तरीकों से किया जाता है।

■ यदि इविंग सारकोमा कैंसर है तो कीमोथेरेपी या जरूरत के हिसाब से रेडियोथेरेपी दी जाती है, जबकि ओस्टियो सारकोमा थेरेपी के बजाय सर्जरी की जाती है।

■ यदि बोन कैंसर का इलाज सही समय पर ना करवाया जाए तो आगे जाकर बहुत परेशानियां हो सकती है, यहां तक की कैंसर के कारण शरीर का वह हिस्सा बेकार भी हो सकता है।

■ जैसे की हर ट्रीटमेंट के दौरान कुछ ना कुछ साइड इफेक्ट होते हैं वैसे ही बोन कैंसर के इलाज के दौरान भी दवाईयों से और थेरेपी से कुछ साइड इफेक्ट होते हैं लेकिन यह साइड इफेक्ट बोन कैंसर के नुकसान से बहुत कम है।

हाथ की उंगलियां बताती हैं व्यक्तित्व

हथेली की रेखाएं आने वाले समय के बारे में सचेत कर देती हैं। भविष्य में जो कुछ भी होने वाला हैं, रेखाएं संकेत दे देती हैं। लेकिन आपके हाथ की उंगलियां भी कुछ कम नहीं हैं। आपकी उंगलियां और अंगूठा आपके व्यक्तित्व को बताती हैं। जानें क्या कहती हैं आपके हाथ की उंगलियां-

■ ऐसे व्यक्ति जिनका अंगूठा पीछे की ओर अधिक मुड़ता है, वह अपनी शक्ति को बेकार करते है। ऐसे लोगों को अपने काम में स्थिरता लानी चाहिए।

■ जिस व्यक्ति का अंगूठा अकड़ा रहता है। उसमें अहम का भाव रहता हैं। इसके विपरीत साधारण पीछे झुकने वाला व्यक्ति समय के साथ अपना ताल- मेल बैठा लेता हैं।

■ जिसकी उंगलियां लंबी होती हैं, वह धैर्यशील प्रवृत्ति के होते हैं और अपने काम में कभी भी जल्दबाजी नहीं करते। वे लोग बारीक से बारीक बातों का बहुत ध्यान रखते हैं।

उंगुलियां भी देती हैं संकेत

■ जिनकी उंगलियां छोटी होती है, वे लोग निर्णय लेने में जरा भी देरी नहीं करते। साथ ही वे स्वतंत्र विचारों वाले भी होते हैं।

■ अगर तर्जनी उंगली छोटी हो तो ऐसे लोग स्वार्थी होते हैं। यहीं नहीं ये किसी के सामने जवाबदेह भी नहीं होते हैं। इसके विपरीत लंबी तर्जनी उंगली वाले आत्मविश्वास और जिम्मेदार व्यक्ति होते हैं।

■ जिनकी मध्यमा उंगली लंबी होती है, वे कुदरत पर भरोसा करने वाले होते हैं। वहीं छोटी मध्यमा उंगली वाले चालक प्रवृत्ति के होते हैं।

■ ऐसे लोग जिनकी अनामिका उंगली लंबी है, तो उन्हें काफी संघर्ष के बाद सफलता मिलती है।

■ कनिष्ठिका उंगली अगर लंबी हो तो उस व्यक्ति का काफी प्रभाव रहता हैं और छोटी उंगली चालाक आदमी की निशानी होती हैं।

रेसिपी

जैम स्विस रोल

सामग्री

तीन अंडे, आधा कप पीसी हुई चीनी, एक कप मैदा, दो चम्मच वेनीला एसेंस, थोडा गरम पानी, आवश्यकता मिक्स फरूट जैम, गार्निश करने के लिए शुगर पाउडर

विधि

सबसे पहले ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। रोल बनाने वाले पैन पर थोड़ा सा तेल लगा कर बटर पेपर लगा लें और उस बटर पेपर पर भी थोड़ा सा तेल लगा लें। उसके बाद उस पेपर पर थोड़ा सा मैदा डाल कर फैलाएं और बाकी का मैदा पैन को पलट कर छाड़ दें और फिर इसे किनारे रख दें। अब एक बाउल में अंडा, शुगर पाउडर, वेनीला एसेंस, मैदा और हल्का गरम पानी डाल लें और इसे तब तक फेंटे जब तक कि मैदा अंडे के घोल के साथ मिक्स ना हो जाए। इसमे उतना पानी डाले जिससे घोल ना तो ज्यादा गाढा और न ही पतला। इस मैदे के घोल को पहले से तैयार किए गए पैन में डाल कर फैलाएं। फिर इसे दस से बारह मिनट तक बेक होने के लिए ओवन में रख दे। जब यह बेक हो जाए तब इसे निकाल कर दो मिनट तक ठंडा होने के लिये रखें। अब टेबल पर एक और बटर पेपर रखें और उस पर मैदा छिड़किए। इस पेपर पर बेक किया गया मैदा वाला रोल पैन से पलटिए। पेपर को धीरे से निकालिए। अब मैदा वाले रोल पर अच्छी तहर से चम्मच से जैम लगाइए। जब जैम लग जाए तब इसे धीरे धीरे रोल करना शुरु कर दें। जब यह रोल हो जाए तब ऊपर से शुगर पाउडर छिड़किए और इसे स्लाइस में काट कर सर्व करे।

किमामी सेवइयां

सामग्री

100 ग्राम सेवई, एक कप घी, तीन कप दूध, एक कप चीनी, **गार्निश के लिए:** पांच-छः इलायची, चार-पांच लौंग, दस बादाम, दस पिस्ता, एक चुटकी केसर

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में घी गर्म करें और गर्म हो जाने के बाद उसमें इलायची और लौंग डाल कर हल्का फ्राई कर लें। इन्हें निकालनें के बाद इसी में कम से कम 5 से 6 मिनट सेवई फ्राई कर लें। अब एक दूसरी कढ़ाई में दो कप पानी डालें फिर चीनी डालकर इसकी चाशनी बना लें। बन जाने के बाद इसमें सेवई डाल दें और दूध भी डाल दे। इसके बाद इसे तब तक पकाते रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। गाढ़ा हो जाने के बाद गैस बन्द कर दे। अब एक सर्विंग बाउल में निकाल कर लौंग तथा इलायची डाल कर गार्निश करें और इसे मनचाहें तरीके से कटे बादाम और पिस्ते से सजा दे।

आंखों को रखना है जवां तो अपनाएं ये देशी आदतें

प्रदूषित वातावरण, धूल- मिट्टी, पूरे दिन टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर के सामने बैठे रहना ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमारी आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं। जिसके कारण आंखों में दर्द, जलन और चुभन जैसी समस्या से हम ग्रसित हो जाते हैं।

1- सुबह-सुबह नंगे पांव ओस पड़ी हरी घास पर चलने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

2- सबसे पहले ध्यान के आसन में बैठ जाएं। फिर 6 से 7 मीटर दूर रखी किसी चीज को एक टक देखते रहें। इस तरह से ध्यान लगाने से चुभती हुई आंखों को आराम मिलता है।

3- यह तरीका बहुत ही पुराना है। दोनों हाथेलियों को आपस में 10 से 15 मिनट रगड़े और उसके बाद हल्के से दोनों हाथों को आखों के ऊपर रखें। इससे आंखों को तुरंत आराम मिलेगा।

4- अगर कंप्यूटर, लेपटॉप या मोबाइल के सामने हों तो हर 3 से 4 सेकेंड बाद पलकों को झपकाते रहिए। ऐसा करने से आंखों की कसरत होगी जिससे आराम मिलेगा।

5- दस बार आंखों को ऊपर-नीचे, दस बार आंखों को दाएं-बाएं तथा दस बार वृत्ताकार घूमाने से आंखों की अच्छी मालिश होती है और इससे आंखों पर पड़ने वाला तनाव भी कम होता है।

6- आंखों की जलन को दूर करने के लिए विटामिन आयरन का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसलिए गाजर आम, पपीता, आजवाइन, रसदार फल, दूध और मक्खन का प्रयोग करना चाहिए। आंखों को आराम देने के लिए सात से आठ घंटा नींद लीजिए।

7- प्राणायाम करने से दिमाग स्थिर रहता है और आंखों की रोशनी बनी रहती है। आप आखों की जलन को दूर करने के लिए योग में शवासन और सर्वागासन भी कर सकते हैं।

8- आंख के जलन को दूर करने के लिए आप ठंडी चम्मच को अपनी आंख पर लगाएं। इसके लिए आप पहले बर्फ का पानी एक गिलास लें और उसमें एक चम्मच डालें। फिर ठंडी होने के बाद उस चम्मच को निकालकर उसे आपनी आंखों पर लगाएं।

संपादकीय

ट्रंप का नया 'टैरिफ बम'

अमरीकी कांग्रेस (संसद) ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों वाला नया बिल पारित कर दिया है। सीनेट (हमारी राज्यसभा के समान) ने पहले ही 86-11 मतों से पारित कर दिया था। अब अमरीकी समयानुसार, 16 सितंबर, बुधवार, को प्रतिनिधि सभा (लोकसभा के समान) ने भी 262-159 मतों से यह बिल पास कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर करने की औपचारिकता के बाद यह कानून बन जाएगा। उसी के साथ राष्ट्रपति का संवैधानिक विशेषाधिकार बढ़ जाएगा कि वह किसी भी देश पर, शून्य से 100 फीसदी तक, टैरिफ थोप सकते हैं। टैरिफ कम या ज्यादा भी कर सकते हैं। दरअसल इस बिल के पारित होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर 'टैरिफ बम' फोड़ दिया है। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने जब कई देशों पर मनमाना टैरिफ थोपा था, तो अमरीकी सर्वोच्च अदालत ने उसे 'अवैध' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब नया कानून बनने के बाद भी न्यायपालिका इसकी समीक्षा कर सकती है, लेकिन उसे खारिज करना आसान नहीं होगा। बिल में जिन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का संदर्भ था, उसमें भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, कजाकिस्तान, तुर्किये आदि देशों के नाम उल्लेखनीय हैं। इनमें अधिकतर अमरीका-समर्थक या 'मित्र देश' हैं। भारत को तो अमरीका लगातार 'रणनीतिक साझेदार' मानता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को 'डियर फ्रेंड' कहते और उनकी 'महानता' का गुणगान करते नहीं थकते। यह सार्वजनिक है और दोनों नेता आपस में 'गलबहियां' डालते रहे हैं। यह कैसी दोस्ती है? दोस्ती और फिर 100 फीसदी टैरिफ का बोझ...! भारत अमरीकी बाजार में 'अप्रासंगिक' हो सकता है। कोई भी ग्राहक महंगी चीज क्यों खरीदेगा? भारत के रत्न, कीमती पत्थर, जवाहरात, वस्त्र और फार्मा आदि के निर्यातकों का तो दम ही निकल जाएगा! भाड़ में जाए ऐसी दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी...! भारत सरकार को भी टैरिफ का जवाब टैरिफ से ही देना चाहिए। यही नहीं, अपना 'तुरुप का पत्ता' भी खेलते हुए स्पष्ट करना चाहिए कि ट्रंप के टैरिफवाद के मद्देनजर भारत अमरीका के साथ 'व्यापार समझौता' फिलहाल स्थगित करता है। भारत ऐसे समझौते पर अधिक, गहन विचार करना चाहता है। यह गौरतलब है कि भारत ने 40 देशों के साथ 'मुक्त व्यापार समझौते' किए हैं, जो किसी अन्य देश ने नहीं किए हैं। कहीं भी टैरिफ रोड़ा नहीं बना है। प्रस्तावित व्यापार समझौते का जो मसविदा सामने आया था, उसके मुताबिक अमरीका भारत के साथ 500 अरब डॉलर तक का कारोबार करना चाहता है। हमारी मुद्रा में यह करीब 48 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा। क्या अमरीका को भारत में इतना गहरा घुसने दिया जाना चाहिए? दरअसल 100 फीसदी तक का टैरिफ एक धमकी है और राष्ट्रपति ट्रंप उसके जरिए रूस और ईरान पर आर्थिक पाबंदियों के व्यापक दबाव बनाना चाहते हैं। उनकी रणनीति और व्यापार-नीति यह है कि भारत और चीन इन दो युद्धरत देशों से कच्चा तेल और गैस न खरीदें अथवा बहुत कम मात्रा में खरीदें। अमरीका रूस से 56,597 करोड़ रुपए का कारोबार करता है। क्या ट्रंप को उस पर आपत्ति नहीं है? उस कारोबार को भी खत्म किया जाना चाहिए। पूरा यूरोप रूस से गैस का आयात करता है, अमरीका ने उसे क्यों छोड़ दिया? ट्रंप चाहते हैं कि भारत और चीन जैसे बड़े देश अमरीकी तेल खरीदें, क्योंकि अब वेनेजुएला के तेल को मिला कर अमरीका विश्व में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। कमोबेश चीन ने तो साफ ऐलान कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदता रहेगा। युद्ध, ऊर्जा-संकट और बाधित सप्लाई चेन के बावजूद रूस भारत को सर्वाधिक कच्चा तेल (करीब 50-55 फीसदी) मुहैया करवा रहा है, ईरान से भी सप्लाई दोबारा शुरू की गई है, लिहाजा भारत को भी साफ कहना चाहिए कि देश की ऊर्जा-जरूरतों और कीमतों के मद्देनजर वह रूस और ईरान से तेल-गैस खरीदता रहेगा। भारत अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप से क्यों डरे? दोनों देशों के बीच 11 लाख करोड़ रुपए (करीब 132 अरब अमरीकी डॉलर) का कारोबार होता है। अब अमरीका का निर्यात बढ़ कर करीब 87,000 करोड़ रुपए हो गया है। क्या ट्रंप उसे खोना चाहेंगे? बहरहाल बार-बार टैरिफ की घोषणा कर राष्ट्रपति ट्रंप भारत की बांह नहीं मरोड़ सकते। वैसे यह भी सही है कि ट्रंप की आर्थिक नीतियों के कारण विश्व भर में उथल-पुथल मची हुई है। शेयर बाजार कभी ढह जाता है, और कभी सुधर जाता है। ऐसी अनिश्चय वाली स्थिति के कारण शेयर बाजार का कबाड़ा होने के चलते अनेक देश प्रभावित हुए हैं। ट्रंप खुद ही तय नहीं कर पा रहे कि उन्हें करना क्या है।

रूस और ईरान पर प्रतिबंधों वाला नया बिल पारित कर दिया है। सीनेट (हमारी राज्यसभा के समान) ने पहले ही 86-11 मतों से पारित कर दिया था। अब अमरीकी समयानुसार, 16 सितंबर, बुधवार, को प्रतिनिधि सभा (लोकसभा के समान) ने भी 262-159 मतों से यह बिल पास कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर करने की औपचारिकता के बाद यह कानून बन जाएगा। उसी के साथ राष्ट्रपति का संवैधानिक विशेषाधिकार बढ़ जाएगा कि वह किसी भी देश पर, शून्य से 100 फीसदी तक, टैरिफ थोप सकते हैं। टैरिफ कम या ज्यादा भी कर सकते हैं। दरअसल इस बिल के पारित होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर 'टैरिफ बम' फोड़ दिया है। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने जब कई देशों पर मनमाना टैरिफ थोपा था, तो अमरीकी सर्वोच्च अदालत ने उसे 'अवैध' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब नया कानून बनने के बाद भी न्यायपालिका इसकी समीक्षा कर सकती है, लेकिन उसे खारिज करना आसान नहीं होगा। बिल में जिन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का संदर्भ था, उसमें भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, कजाकिस्तान, तुर्किये आदि देशों के नाम उल्लेखनीय हैं। इनमें अधिकतर अमरीका-समर्थक या 'मित्र देश' हैं। भारत को तो अमरीका लगातार 'रणनीतिक साझेदार' मानता रहा है।

भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है

अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं

राजनीति में शक्ति केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि कोई महाशक्ति अपने प्रभाव का इस्तेमाल किस प्रकार करती है। आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वतः लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। अगस्त 2026 में भारत रूस से लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात कर रहा था। ऐसे में यदि अमेरिकी राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सीधा असर भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पड़ सकता है और साथ ही भारत की ऊर्जा लागत पर भी दबाव बन सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। यहीं से असली सवाल उठता है-क्या व्यापारिक टैरिफ अब केवल व्यापार संतुलन सुधारने का साधन रह गए हैं या वे विदेश नीति को मनवाने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं? अमेरिका और भारत के बीच व्यापार छोटा नहीं है। 2025 में दोनों देशों का वस्तु एवं सेवा व्यापार लगभग 239.6 अरब डॉलर रहा और अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने भारत से 103.8 अरब डॉलर की वस्तुएं आयात की। इसलिए किसी बड़े अतिरिक्त टैरिफ का असर केवल भारत पर नहीं पड़ेगा, अमेरिकी आयातकों, उपभोक्ताओं और दोनों देशों की कंपनियों पर भी उसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। पहली चुनौती अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने की है और दूसरी ऊर्जा सुरक्षा की। यदि रूसी तेल पर निर्भरता अचानक घटानी पड़े तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में पहले से मौजूद अस्थिरता ऐसी स्थिति को और जटिल बना सकती है। दूसरी ओर अमेरिका को भी यह देखना होगा कि अत्यधिक टैरिफ से वैश्विक तेल आपूर्ति, कीमतों और अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसीलिए मौजूदा कानून में राष्ट्रपति के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट की गुंजाइश भी रखी गई है।भारत की प्रतिक्रिया का महत्व यहीं बढ़ जाता है। भारत ने न तो किसी शक्ति-गुट के साथ अपने संबंध समाप्त करने की नीति अपनाई है और न ही अपने आर्थिक हितों को किसी एक देश की प्राथमिकताओं के अधीन करने की बात कही है। भारत का घोषित दृष्टिकोण ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना है। यही रणनीतिक स्वायत्तता बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में हाल में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखना उपयोगी होगा। भारत की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में 11 सदस्य देशों ने 140-बिंदु नई दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया। ब्रिक्स ने सीमा-पार भुगतान को अधिक सुगम बनाने तथा सदस्य देशों की स्थानीय मुद्राओं में व्यापारिक निपटान की संभावनाओं पर आगे काम करने का समर्थन किया। साथ ही भारत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी साझा ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव नहीं है। यह अंतर समझना बेहद जरूरी है। दुनिया तत्काल डॉलर को हटाकर कोई नई वैश्विक मुद्रा स्थापित करने की स्थिति में नहीं है। डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में अत्यंत प्रभावशाली है। लेकिन यदि अनेक देश धीरे-धीरे द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग बढ़ाते हैं, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां विकसित करते हैं और डॉलर पर निर्भरता कम करने के रास्ते तलाशते हैं, तो लंबे समय में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अधिक बहुध्रुवीय हो सकती है। विशेषज्ञ विश्लेषण भी यही संकेत देता है कि डॉलर से दूरी की प्रक्रिया अभी धीमी और क्रमिक है, न कि कोई तत्काल बदलाव।भारत-रूस संबंध इसका एक व्यावहारिक उदाहरण हैं। सितंबर 2026 में रूसी पक्ष ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का बड़ा हिस्सा अब रुपये और रूबल में निपटाया जा रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रतिबंधों और भुगतान संबंधी बाधाओं के बीच वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्थाएं विकसित की जा सकती हैं। ब्रिक्स की दिशा को इसलिए अमेरिका-विरोधी संगठन के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। नई दिल्ली घोषणा का मूल जोर आर्थिक सहयोग, व्यापार, भुगतान व्यवस्था, विकास और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर है। भारत के लिए इसका महत्व इस बात में है कि वह पश्चिम और गैर-पश्चिम दोनों आर्थिक शक्तियों के साथ संवाद रखते हुए अपने लिए अधिक विकल्प तैयार कर सके। 2025-26 में भारत का ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार 417 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी इस समूह के बढ़ते आर्थिक महत्व को दर्शाता है। अमेरिका की वर्तमान नीति का सबसे गंभीर प्रभाव शायद टैरिफ से भी आगे जाकर विश्वास और नीति-पूर्वानुमेयता पर पड़ सकता है। जब व्यापारिक शुल्क बार-बार विदेश नीति के दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल होते हैं, तो अन्य देश स्वाभाविक रूप से वैकल्पिक बाजार, वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां खोजने लगते हैं। यह प्रक्रिया अमेरिका को तत्काल कमजोर कर देगी, ऐसा कहना जल्दबाजी होगीय लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसी नीतियां दूसरे देशों को जोखिम कम करने के लिए नए विकल्प तलाशने का प्रोत्साहन देती हैं। भारत के लिए यह समय प्रतिक्रिया की राजनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक तैयारी का है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए व्यापार वार्ता और संवाद के रास्ते खुले रखना आवश्यक है। साथ ही यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, आसियान, रूस और ब्रिक्स देशों में बाजारों का विस्तार, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भी उतना ही जरूरी है। भारत की ताकत किसी एक ध्रुव से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि अनेक ध्रुवों के बीच अपने हितों के लिए पर्याप्त विकल्प बनाए रखने में है।

आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वत: लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है।

देश दुनिया से

हिमालयी क्षेत्र में उपजे खतरों से सबक सीखने का वक्त

तिब्बत-नेपाल सीमा पर ऊंचे हिमालयी क्षेत्र से आई एक और आपदा ने चेतावनी दे डाली है। ल्हेंदे-खोला नदी रसुवागढ़ी में नेपाल में प्रवेश करती है और केरुंग-खोला (भोटे कोसी) में मिल जाती है। आगे चलकर यह त्रिशूली व फिर नारायणी नदी बन जाती है और चितवन नेशनल पार्क से होकर गंगा में जा मिलती है। 26 अगस्त को सुबह माउंट लांगटांग (7,245 मीटर ऊंचाई) से बर्फ और चट्टान का 0.2 वर्ग किलोमीटर का बड़ा तोदा लंबवत नीचे (2270 मीटर) गिरा। इससे ल्हेंदे खोला के मार्ग में अवरोध पैदा होकर झील बन गई जिसके टूटने पर पानी एवं मलबे की विनाशक बाढ़ आई। मलबे से भरी उग्र नदी नेपाल के घनी आबादी वाले क्षेत्र से गुजरी। त्रिशूली नदी का जलस्तर सिर्फ़ 30 मिनट में 9-10 मीटर बढ़ गया, जिससे कई गांव व शहर तबाह हो गए। इस बाढ़ में 1350 से ज़्यादा जानें चली गई। सरकारी, निजी और सामुदायिक संपत्तियों का भारी नुकसान हुआ। बुनियादी ढांचे और संपत्ति का नुकसान बेहद ज्यादा है। कुछ ही मिनटों में 14 बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट, 41 पुल, विशालकाय मशीनें, ट्रक, बिजली संप्रेषण तारें और बिजली सब-स्टेशन नष्ट हो गए। अत्यल्प समय में दस लाख क्यूबिक मीटर से ज़्यादा मलबा बहा। बाढ़ की रफ़्तार 193 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी। नेपाल और दूसरे हिमालयी देशों को व्यापक नज़रिये से सोचना चाहिए। पहाड़ और नदियां उनकी साझी विरासत हैं। नदियां सीमाओं के आर-पार बहने वाली जीवन-रेखाएं हैं। नेपाल को भूकंप, बर्फ़-चट्टान खिसकने और जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए असरदार रणनीति बनानी होगी, क्योंकि भविष्य में ऐसी आपदाएं बढ़ेंगी। चीन और भारत से बातचीत की ज़रूरत है। आपदा नेपाल को अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार का मौका दे रही है। टिकाऊ तीर्थ-पर्यटन, खेती-कुटीर उद्योग, पशुपालन और ऊर्जा उत्पादन के लिए भी उन्हें अपना एक मॉडल विकसित करना होगा। बाढ़ें, ग्लेशियरों का पिघलना और बर्फ़ीली-चट्टानों का गिरना प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। मॉनसून प्रधान इस उपमहाद्वीप में, कई इंसानी कारकों और जलवायु परिवर्तन ने बाढ़ के बदलते स्वरूप में भूमिका निभाई। इंसान ग्लेशियर और नदियों के व्यवहार को ध्यान से देखते रहे, लेकिन उन पर कब्ज़ा भी करते रहे और प्रकृति के उन नियमों के उल्लंघन करते हैं, जिनका पालन वे सदियों से करते रहे। हिंदूकुश हिमालयी इलाके में सिर्फ़ 5 प्रतिशत ज़मीन खेती योग्य है। इसका ज़्यादातर हिस्सा नदियों से बनी घाटियों में है। तथाकथित 'विकास' ही इन घाटियों में सबसे बड़ा अतिक्रमणकारी है। हमने शायद ही कभी नाजुक पहाड़ों की गोद में और मुख्य केंद्रीय आघात क्षेत्र के पास बसे लोगों के लिए विकास के विशेष तरीकों बारे सोचा जो हो, जहां पर ज़्यादातर आपदाएं पैदा होती हैं। भूकंप के लिहाज़ से संवेदनशील वी-आकार की घाटियों में बर्फ़ और चट्टानें नदियों का रास्ता रोकती हैं। नेपाल का बड़ा हिस्सा 'सिस्मिक गैप एरिया' में आता है, जहां पिछले सौ-डेढ़ सौ सालों से कोई बड़ा भूकंप नहीं आया। जमा होती जा रही इस भू-ऊर्जा का दशकों तक बाहर न निकलना एक बड़े भूकंप का कारण बन सकता है। मौसम की मार से कोई भी चट्टान या बर्फ़ की ढलान खिसक सकती है। पुरानी जमी बर्फ़ और पानी युक्त ताज़ी बर्फ़ में फ़र्क होता है। पुरानी जमी बर्फ़ (परमाफ्रॉस्ट) पर ताज़ी बर्फ़ तो सीधी जमा हो जाती है, लेकिन पानी नीचे बहने के लिए सबसे ढलान ढूंढ़ता है। तापमान वृद्धि के कारण ऊंची जगहों पर ओले या बर्फ़ गिरने के बजाय बारिश हो रही जिससे पानी की तबाही की ताकत कई गुना हो जाती है। 16-17 जून 2013 को केदारनाथ में ओले व बर्फ़ के बजाय बारिश हुई थी। छोटी चोराबाड़ी झील का बांध टूट गया। एक और वजह 24 घंटे में 400 मिमी बारिश थी। 1970 में बिरही-अलकनंदा बाढ़ के समय भी ऐसा हुआ, जब गौना झील टूटी थी। 7 फरवरी 2021 को रोंटी चोटी से बर्फ़ और चट्टान खिसकने से ऋषिगंगा में एक झील बन गई थी। यह झील फटी और दो हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को तबाह कर दिया था, साथ ही 220 से ज़्यादा जानें लील लीं - जिनमें से ज़्यादातर मज़दूर सुरंग के अंदर थे। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर वाली झीलें कैसे बड़ी हो जाती हैं, यह तीस्ता बाढ़ से साफ़ पता चलता है, जब 3-4 अक्तूबर 2023 को दक्षिण ल्होनक ग्लेशियर झील फट गई थी। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ, 14,000 करोड़ रुपये की लागत वाला तीस्ता 3 प्रोजेक्ट तबाह हो गया था। यह ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड था और नेपाल में इनका खतरा बना रहता है। मई 2012 में भी, ऐसी ही एक बाढ़ से पोखरा में 60 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी। नेपाल में आने वाली विनाशकारी बाढ़ से ग्लेशियर की बर्फ़ बड़े पैमाने पर बहने और उससे निचले इलाकों में होने वाली जानलेवा घटनाओं के बीच संबंध समझा जा सकता है। इस आपदा को हिमालय के बड़े खतरों से जोड़कर देखा जाना चाहिए, क्योंकि हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियल झीलों का आकार बढ़ रहा है और जलवायु-खतरे बढ़ रहे हैं। सितंबर 2024 में बारिश, भूस्खलन और बाढ़ के कारण 170 जानें चली गई। अकेले काठमांडू में बाढ़ से 48 लोगों की मौत हुई। कोसी और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं। नेपाल में 30 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। 2025 में भी बाढ़ आई थी। भूकंप जैसी घटनाओं से यह आपदाएं और भी जानलेवा हो सकती हैं। कई कारकों के मेल से बनी अन्य आपदाओं में मेलमची (2021), थामे (2024) और भोटे कोसी (2025) की घटनाएं शामिल हैं। हिमालय क्षेत्र का तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी तेज़ी से गर्म हो रहा है।

आप का नज़रिया

नशे का नया संप्रदाय

पर्यटन का कचरा या कचरे में पर्यटन का एक महीन रिश्ता धर्मशाला के धर्मकोट में नजर आया। हालांकि पुलिस ने रेव पार्टी का सामान चुराते हुए सारा कचरा उठा दिया, लेकिन बार-बार यह नौबत क्यों और कैसे आ रही। पर्यटन जब कंद्राओं में मनोरंजन ढूंढता है, तो यह कचरे का व्यापार हो सकता है। पर्यटन के मार्फत शिकार या शिकारियों के जाल में पर्यटन की परिभाषा दूषित हो रही है और यही गाहे बगाहे मनाली और धर्मकोट की बाहों में पनप जाता है। बेशक धर्मकोट में दो बार रेव पार्टियों को तहस नहस करके पुलिस ने कड़ी चेतावनी दी है, लेकिन पर्यटन में तेजी से फैल रहा नशे का संप्रदाय नित नए प्रयोग करने लगा है। कचरा सिर्फ नशे का नहीं जिस्मफरोशी का भी है। पर्यटन की कई परतें और कई विषाद हैं और जब गंतव्य सामान्य गतिविधियों के अखाड़े बन जाते हैं, तो कई काले अध्याय भी साथ निकल आते हैं। तथाकथित रेव पार्टियों के सामान को ढोती तरह-तरह की अनुमतियां भी कलंकित हो रही हैं। हालिया अदालती हस्तक्षेप से कुल्लू के दो अधिकारियों को बदलना पड़ा था। यह पर्यटन विभाग की चौकसी व दुरुस्ती का सवाल भी है। होटल इंस्पेक्टर जैसे पदों की परिभाषा में वातावरण की शुद्धि निहित है, लेकिन ऐसी व्यवस्था बनी ही नहीं। दूसरे टीसीपी कानून के तहत हर तरह के पर्यटन परिसर की व्याख्या व अनुमति का ठोस आधार होना चाहिए। नई मंजिलों की तलाश में नित नए पर्यटन परिसर मानव बस्तियों से दूर एकांत में व्यवस्था से दूर अपनी संदिग्ध व्यवस्था बना रहे हैं, तो पर्यटन इकाइयों के उद्देश्य व उनके ग्राहकों की समीक्षा जरूरी है। यह केवल डेस्टिनेशन पर ही खतरा नहीं, बल्कि हाई वे टूरिज्म पर भी नीति-निर्देश तथा चौकसी चाहिए। हम पर्यटन को प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर चिन्हित नहीं करते, लिहाजा भीड़ और सैलानियों के बीच खरे और खोटे का अंतर समाप्त हो जाता। गलत कारणों से कसोल व धर्मकोट का प्रचार सही मायनों में पर्र्यटकों की कैटेगिरी पैदा नहीं करता। चुनौती सही यात्री, हाई एंड टूरिस्ट या सोलो ट्रैवलर से नहीं, बल्कि पर्यटन से जुड़े अपराधियों से है। पर्र्यटन के व्यापार ने कुछ आपराधिक नेटवर्क अपने साथ जोड़ लिया है। इसका अपना एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। गोवा हो या राजस्थान, कुछ पर्यटन आपरेटर ऐसी शैली विकसित करते हैं, जो आपराधिक चरित्र की मौज मस्ती तक ही सीमित रहती। जाहिर है हिमाचल में गिने जा रहे समस्त बाहरी लोग पर्यटक नहीं हैं और न ही उनके कारण पर्यटन में गुणवत्ता आ रही है। चंद पैसों के लिए नशा अगर इसका आकर्षण बन जाए, तो हिमाचल अपने वांछित सपने पूरा नहीं कर पाएगा। यानी पर्यटन में माफिया की शिरकत रोकने के लिए पूर्ण बंदोबस्त चाहिए। बहरहाल नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान सक्रियता के साथ मामले पकड़ रहा है, लेकिन पर्यटन के रास्ते अपराध प्रवेश न करे, इसके लिए चौकसी की नई व्यवस्था प्रवेश द्वारों से चाहिए। पर्यटकों का पंजीकरण हिमाचल के प्रवेश द्वारों पर ही होना चाहिए और यह ऐप द्वारा संचालित हो तो सारी जानकारियों में स्पष्टता आएगी। पर्यटन के रास्ते आ रही संवेदनहीनता को समझते हुए तमाम आपरेटरों खास तौर पर लीज पर चल रहे होटलों, होस्टलों तथा ऐसी विभिन्न इकाइयों के निरीक्षण-परीक्षण की पूर्ण व्यवस्था स्थायी रूप से बनानी पड़ेगी।

पर्यटन की कई परतें और कई विषाद हैं और जब गंतव्य सामान्य गतिविधियों के अखाड़े बन जाते हैं, तो कई काले अध्याय भी साथ निकल आते हैं। तथाकथित रेव पार्टियों के सामान को ढोती तरह-तरह की अनुमतियां भी कलंकित हो रही हैं। हालिया अदालती हस्तक्षेप से कुल्लू के दो अधिकारियों को बदलना पड़ा था। यह पर्यटन विभाग की चौकसी व दुरुस्ती का सवाल भी है। होटल इंस्पेक्टर जैसे पदों की परिभाषा में वातावरण की शुद्धि निहित है, लेकिन ऐसी व्यवस्था बनी ही नहीं। दूसरे टीसीपी कानून के तहत हर तरह के पर्यटन परिसर की व्याख्या व अनुमति का ठोस आधार होना चाहिए। नई मंजिलों की तलाश में नित नए पर्यटन परिसर मानव बस्तियों से दूर एकांत में व्यवस्था से दूर अपनी संदिग्ध व्यवस्था बना रहे हैं, तो पर्यटन इकाइयों के उद्देश्य व उनके ग्राहकों की समीक्षा जरूरी है। यह केवल डेस्टिनेशन पर ही खतरा नहीं, बल्कि हाई वे टूरिज्म पर भी नीति-निर्देश तथा चौकसी चाहिए। हम पर्यटन को प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर चिन्हित नहीं करते, लिहाजा भीड़ और सैलानियों के बीच खरे और खोटे का अंतर समाप्त हो जाता। गलत कारणों से कसोल व धर्मकोट का प्रचार सही मायनों में पर्र्यटकों की कैटेगिरी पैदा नहीं करता। चुनौती सही यात्री, हाई एंड टूरिस्ट या सोलो ट्रैवलर से नहीं, बल्कि पर्यटन से जुड़े अपराधियों से है। पर्र्यटन के व्यापार ने कुछ आपराधिक नेटवर्क अपने साथ जोड़ लिया है। इसका अपना एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। गोवा हो या राजस्थान, कुछ पर्यटन आपरेटर ऐसी शैली विकसित करते हैं, जो आपराधिक चरित्र की मौज मस्ती तक ही सीमित रहती।

कुछ अलग

जब मैं फूला न समाया

फूला नहीं समाने के मेरे पास कई कारण हैं। मूलतः मैं मौसमी कवि हूं। जब मध्यावधि चुनाव की घोषणा हुई तो मेरा कवि मन फूला नहीं समाया, क्योंकि मैंने चुनाव पर अनेक व्यंग्य रचनाएं लिखी थीं, जो चुनाव नहीं होने की वजह से बेकार पड़ी हुई थी। हालांकि चुनाव की घोषणा से अनेक राजनेता और उनके दल भीतर ही भीतर रो रहे थे, यही क्यों आम आदमी भी महंगाई की आशंका से भयभीत था, परन्तु मैं तो फूला नहीं समा रहा था। मेरी कल्पना ने उड़ान भरना प्रारम्भ कर दिया था कि इधर मेरी रचनाएं प्रकाशनार्थ पहुंची और उधर से धड़ाधड़ छपने लगेंगी और उनके पारिश्रमिक से मैं गुलछर्रे उड़ाऊंगा। यही क्यों लम्बे समय से मैं गुलाब जामुन भी नहीं खा पाया था, अतः गुलाब जामुनों का रास्ता भी अत्यन्त सरल हो गया था। वैसे गए चुनाव में इन रचनाओं के कारण मुझे हताशा हाथ लगी थी और नए चुनाव ही इन रचनाओं की आधारभूमि थी, अतः मैं फूला नहीं समा रहा था।

दृष्टि कोण

हिमाचल में हिमाचल विश्वविद्यालय

हिमाचल प्रदेश सरकार प्रदेश में शिक्षा के स्तर को लेकर बहुत चिंतित हो गई है। शिक्षा की चिंता करनी चाहिए। यह बहुत जरूरी है। लेकिन स्तर क्यों गिर रहा है, सरकार इस पर भी विचार करती ही होगी। सरकार विचार करती है, केवल इतना कह देने मात्र से कुछ पता नहीं चलता। कौनसी सरकार विचार कर रही है, यह जान लेना और भी जरूरी है। सरकार के दो हिस्से होते हैं। एक राजनीतिक सरकार होती है जिसे राजनीति विज्ञान वाले कभी कभी अस्थायी सरकार भी कह देते हैं, क्योंकि इस सरकार की आयु केवल पांच साल होती है। ये सरकारें बदलती रहती हैं। जिस सरकार की आयु ही महज पांच साल होती है, उसके पास विचार विमर्श करने, सोचने समझने का समय नहीं होता। उसके सामने इससे भी बड़े मसले रहते हैं। सबसे बड़ा मसला तो अगला चुनाव जीतने का ही होता है। उसके लिए विचार करना जरूरी नहीं होता, बल्कि रणनीति बनाना जरूरी होता है। लेकिन फिर यह विचार वगैरह करने का काम कौन करता है? यह काम स्थायी सरकार यानी बहुत ही ऊंचे दर्जे के प्रशासनिक अधिकारी करते हैं। इसलिए हमें मान लेना चाहिए कि कुछ बहुत ही वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर को लेकर विचार किया ही होगा। विचार किया होगा तो कुछ कारण भी ध्यान में आए ही होंगे। यकीनन जब प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा के गिरते स्तर पर विचार करते हैं तो उनके सारे विचार विमर्श से जो एक मात्र दोषी पकड़ा जाता है, वह शिक्षक ही होता है। शिक्षक तो पकड़ में आ जाता है लेकिन अब इसको शिक्षा के गिरते स्तर से कैसे जोड़ा जाए? कुछ साल पहले तो यह रास्ता निकाला था कि शिक्षकों से विद्यार्थी की परीक्षा लेने का अधिकार ही छीन लो। लेकिन फिर परीक्षा लेगा कौन? इसके उत्तर पर तो विचार किया जा चुका था कि परीक्षा लेने की जरूरत ही नहीं है। राजनीतिक सरकार को यह निष्कर्ष बहुत उत्तम लगा। परीक्षा होने से देश की किशोर पीढ़ी का शोषण होता था। परीक्षा के पैर उखड़ जाने से बच्चों के घरों में से वोट निकलेंगी। बच्चा जिद करेगा तो माता-पिता के पास क्या कोई विकल्प बचता है? लेकिन जब आठ दस साल के बाद विद्यार्थी दस से आगे गिनती करने में भी लडख़ड़ाने लगे तब हल्ला पड़ा कि परीक्षा लो। तब जनहित में सरकार ने परीक्षा लेकर देश का भविष्य बचा लिया था। शिक्षक को तसल्ली हुई कि अब बच्चे पढ़ेंगे तो शिक्षकों का भी सम्मान बढ़ेगा। लेकिन यह शिक्षकों की बहुत भारी नासमझी थी। बकरे की मां ज्यादा देर खैर नहीं मना सकती। अब फिर निष्कर्ष निकला है कि सारी बीमारी की जड़ तो वह तरीका है जिस पर चलकर अध्यापक विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाते हैं। इसके लिए जो साक्षात्कार होता है, उसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय का कुलपति करता है। सरकार का कहना है कि सारी गड़बड़ यहीं से शुरू हो जाती है। कुलपति ही सबसे ज्यादा गड़बड़ करता है। इस प्रकार शिक्षा के गिरते स्तर की खोज करते करते अब दो लोग पकड़ में आए, पहला शिक्षक और दूसरा कुलपति। लेकिन सरकार ने निर्णय कर लिया है कि उसे शिक्षा को सुधार कर ही दम लेना है। हो सकता है सरकार ने चुनाव के समय इस प्रकार का वायदा भी कर लिया हो। हमें सरकार का शुक्रगुजार होना चाहिए कि उसने यह फैसला नहीं कर लिया कि आगे से कोई शिक्षक कुलपति नहीं होगा, बल्कि किसी प्रशासनिक अधिकारी को ही यह महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। वैसे तो पहले भी आईएएस अधिकारी समय समय पर इस पद पर बैठ कर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाते रहे हैं। कुछ राज्यों ने तो यह भी कानून बनाया था कि विश्वविद्यालय का कुलाधिपति मुख्यमंत्री होगा।

शतरंज ओलंपियाड: भारत ने इंडोनेशिया को 2.5–1.5 से हराया, महिला टीम ने फिनलैंड को दी मात

समरकंद

शतरंज ओलंपियाड के दूसरे दौर में भारत ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में जीत दर्ज की। ओपन वर्ग में भारत को इंडोनेशिया के खिलाफ 2.5–1.5 की जीत के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जबकि महिला टीम ने फिनलैंड को 3.5–0.5 से हराकर आसान जीत दर्ज की।

प्रज्ञानानंद ने खेला 79 चालों का मुकाबला – पहले दौर में आराम दिए जाने के बाद वापसी कर रहे आर. प्रज्ञानानंद ने शीर्ष बोर्ड पर काले मोहरों से इंडोनेशिया के सुशांतो मेगारांतो के खिलाफ लंबा मुकाबला खेला। खेल एंडगेम तक पहुंचा और 79 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई।

निहाल सरीन ने भारत को पहली सफलता दिलाई। सफेद मोहरों से आईएम आरिफ अब्दुल हाफिज के खिलाफ खेलते हुए निहाल ने धीरे-धीरे दबाव बढ़ाया और अंतिम चरण में सामरिक बढ़त हासिल कर ली। हाफिज ने 37.एनसी5+ के बाद बाजी छोड़ दी। यह ओलंपियाड में निहाल की लगातार दूसरी जीत रही।

डी. गुकेश को काले मोहरों से आईएम सात्रिया दुटा चहाया के खिलाफ जीत का रास्ता नहीं मिला। स्थिति सरल होने के बाद गुकेश ने लगातार क्वीन चेक के जरिए मुकाबला बराबर रखा और 51.क्यूडी1+ के बाद ड्रा हुआ।

विदित गुजराती और आईएम नायका बुधिधर्मा के बीच मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। सफेद मोहरों से खेल रहे विदित ने संतुलित स्थिति हासिल की और 34.एच3 के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांट लिए।

इस तरह एक जीत और तीन ड्रा के साथ भारत ने मुकाबला 2.5–1.5 से अपने नाम किया। भारत ने पहले दौर में थाईलैंड को 3–1 से हराया था। उस मुकाबले में शीर्ष बोर्ड पर अर्जुन एरिगैसी को चौंकाने वाली हार मिली थी, लेकिन टीम ने जीत दर्ज की थी।

दिव्या, वंतिका और साविता ने दिलाई महिला टीम को जीत

महिला वर्ग में भारत ने फिनलैंड के खिलाफ 3.5–0.5 से शानदार जीत दर्ज की। कोनेरू हम्पी को इस दौर में आराम दिए जाने के कारण वैशाली रमेशबाबू ने शीर्ष बोर्ड पर मोर्चा संभाला। उन्हें अनास्तासिया केइनानेन ने कड़ी चुनौती दी और 88 चालों के बाद मुकाबला ड्रा रहा।

बाकी तीनों बोर्ड भारत के पक्ष में रहे। दिव्या देशमुख ने जोहाना पासिकांगस-तेल्ला को 38 चालों में हराया। वंतिका अग्रवाल ने सबसे तेज जीत दर्ज करते हुए सारा-ओलिविया सिप्पोला को केवल 22 चालों में मात दी।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी के पोस्टर बाय रहे मोहंती दो टेस्ट ही खेल पाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज देबाशीष मोहंती एक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्हें आईसीसी ने अपना पोस्टर बाय तक बनाया था पर उनका अंतरराष्ट्रीय करियर बेहद छोटा रहा। साल 1999 के इंग्लैंड विश्व कप के लिए आईसीसी ने मोहंती की प्रतिभा देख हुए अपना पोस्टर बाय चुना था। उसकी अनोखी एक्शन और गेंद को इशारों पर नचाने की कला ने उसे एक समय का स्विंग किंग बना दिया था। स्वयं सचिन तेंदुलकर भी उसकी गेंदबाजी के कायल थे पर ये प्रतिभाशाली क्रिकेटर केवल दो टेस्ट मैच ही खेल पाया। मोहंती चार साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल पाये। साल 1997 में मोहंती ने अपनी गेंदबाजी से सबको हैरान कर दिया। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में उन्होंने पहली पारी में ही चार विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी गेंद हवा में बातें करती थी और बल्लेबाजों को चकमा देती थी। लेकिन हैरानी की बात यह थी कि इस शानदार शुरुआत के बावजूद, उन्हें अगले टेस्ट में मौका नहीं मिला और टेस्ट क्रिकेट में उनका सफर बस दो मैचों का ही रहा, जिसमें उन्होंने कुल 4 विकेट हासिल किए। देबाशीष के लिए टीम इंडिया में जगह बनाना किसी सपने से कम नहीं था, जो 1997 में पूरा हुआ।

आईपीएल 2027: नीलामी से पहले ट्रेड डील में कई खिलाड़ी हो सकते हैं इधर से उधर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2027 नीलामी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन कहा है कि इस बार मिनी आक्शन का आयोजन भारत में ही हो होगा। वहीं नीलामी से एक सप्ताह पहले तक ट्रेड विंडो खुली रहेगी, जिससे टीमों के लिए खिलाड़ियों को ट्रेड करना आसान रहेगा। ऐमें में कई खिलाड़ी इधर से उधर हो सकते है। अब तक, आईपीएल 2027 के लिए केवल एक बड़ी ट्रेड डील सामने आई है। ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट गए हैं, जहाँ उन्हें 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि लखनऊ में उन्हें 27 करोड़ रुपये मिल रहे थे। इस बीच, कुलदीप यादव भी दिल्ली छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। यह सिर्फ शुरुआत है, और आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले कई और हैरान वाली ट्रेड डील्स देखने को मिल सकती हैं, जो टीमों की रणनीतियों को पूरी तरह बदल सकती हैं। संभावित ट्रेड डील्स की सूची में सबसे ऊपर हार्दिक पांड्या का नाम है। मुंबई इंडियंस के इस धाकड़ आलराउंडर के टीम छोड़ने की खबरें लगातार आती रही हैं। उनका नाम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रायल्स जैसी कई बड़ी टीमों से जोड़ा गया है। वर्तमान हालातों को देखें तो कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक की सबसे ज्यादा जरूरत प्रतीत होती है। हार्दिक के आने से केकेआर की कप्तानी की चिंता दूर हो जाएगी और एक तेज गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती मिलेगी। इसके बदले में कोलकाता, मुंबई इंडियंस को कैमरून ग्रीन भेज सकती है, जो एक तरह से लाइक-टू-लाइक ट्रेड होगा और दोनों टीमों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

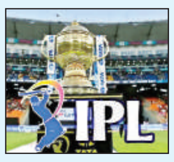

नमन को टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद से ही फरीदकोट में जश्न का माहौल

फरीदकोट। पंजाब के छोटे से शहर फरीदकोट के 26 वर्षीय नमन धीर को पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिलने के बाद से ही यहां जश्न का माहौल है। नमन को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीयय टीम में जगह मिली है। नमन धीर एक आक्रामक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो अपनी आफ-ब्रेक गेंदबाजी से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लंबे समय से इंडिया ए के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर रहे इस क्रिकेटर ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेला है। खासकर 2024 सीज़न के बाद से वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुए शेर-ए-पंजाब टी-20 टूर्नामेंट में नमन ने अपनी बल्लेबाजी से भी चयनकर्ताओं को प्रभावित किया था। जिसका लाभ उन्हें मिला है। नमन ने अमृतसर सूरमाज की ओर से खेलते हुए मोहाली किंग्स के खिलाफ सिर्फ 64 गेंदों में 173 रनों की एक अविश्वसनीय पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने महज 37 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस पारी में 270.31 की स्ट्राइक रेट से 16 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इस टूर्नामेंट में उन्हें मैन आफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला था, जिसके कुछ ही दिनों बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने का यह बड़ा तोहफा मिला है। नमन धीर पंजाब के एक प्रतिभाशाली बैटिंग आलराउंडर हैं, जिन्होंने 2023-24 में पंजाब को बीसीसीआई की प्रतिष्ठित घरेलू टी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्राफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

एकदिवसीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पांच शीर्ष कप्तानों में भारत के धोनी और रोहित भी शामिल

मुम्बई

एकदिवसीय क्रिकेट में तेजी से रन बनाने और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय टीम के रोहित शर्मा और महेन्द्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल हैं। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयान मोर्गन शीर्ष पर हैं। ये ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख बदला है। मार्गन ने बतौर कप्तान सबसे अधिक छक्के लगाये हैं। उनके रिकार्ड की खासियत यह भी है कि वे दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) की ओर से एकदिवसीय खेल चुके हैं, जिसने उनके कीर्तिमान को और विशिष्ट बना दिया है।

इंग्लैंड के इस आक्रामक बल्लेबाज ने 2011 से 2022 के बीच 126 वनडे मैचों में कप्तानी करते हुए 115 पारियों में कुल 147 छक्के लगाए। मार्गन के इसी आक्रामक रुख से इंग्लैंड के सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति आई। उन्होंने 44.03 की बेहतरीन औसत और 96.00 की स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। विध्वंसक क्षमता का प्रमाण है।

वहीं भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तानों धोनी और रोहित इस सूची में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवीसय मैचों में भारत की कप्तानी की और 172 पारियों में 126 छक्के जड़े। कैप्टन कूल धोनी सिर्फ छक्के ही नहीं मारते थे, बल्कि वे मैच को फिनिश करने में भी माहिर थे। 48 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके हेलीकाप्टर शाट्स आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिमाग में ताजा हैं।

दूसरी ओर हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने धोनी के बराबर 126 छक्के लगाये, लेकिन यह कारनामा उन्होंने कहीं कम मैचों में किया। 2017 से अब तक मात्र 56 मैचों की 55 पारियों में कप्तानी करते हुए रोहित ने यह उपलब्धि हासिल की। रोहित का विस्फोटक अंदाज उनकी पहचान है, जिन्होंने 111.97 की स्ट्राइक रेट और 52.20 की औसत से 2,506 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक (208 रन) और 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में चौकों (251) से ज्यादा छक्कों पर भरोसा दिखाया।

वीरेंद्र सहवाग रियलिटी शो राइज एंड फाल में होस्ट की भूमिका में नजर आयेंगे, यमराज से लेकर न्यूटन और डाक्टर तक के लुक में दिखे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। दो- दो तिहरे शतक लगाने वाले वह एकमात्र भारतीय क्रिकेटर हैं। खेल से संन्यास के बाद वह अपने अलग अंदाज के कारण सोशल मीडिया में छाये रहते हैं। सहवाग अब अमेजन एमएक्स प्लेयर के लोकप्रिय रियलिटी शो राइज एंड फाल के दूसरे सत्र की मेजबानी करने जा रहे हैं। इसी कड़ी में वह आजकल एक बिल्कुल नए अवतार में धूम मचा रहे हैं। हाल ही में उनकी कई तस्वीरें वायरल हुई हैं जिनमें वह यमराज से लेकर न्यूटन और डाक्टर तक के लुक में नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों में सहवाग का मजाकिया और बहुमुखी स्वभाव साफ झलक रहा है। एक तस्वीर में वह काले लिबास और मुकुट के साथ यमराज के गंभीर गेटअप में दिख रहे हैं, तो दूसरे में वह एक पेड़ के नीचे किताब पढ़ते हुए न्यूटन की मुद्रा में सेब गिरने का इंतजार कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्हें आईसीयू में मरीज से बात करते हुए एक डाक्टर के रूप में भी देखा गया, और एक मजेदार तस्वीर में वह स्कूल टीचर बनकर बच्चों से उठक-बैठक करवा रहे हैं। इन अनोखे किरदारों में सहवाग को देखना उनके प्रशंसकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है, और यह उनके मजाकिया व्यक्तित्व का ही एक और प्रमाण है, जिसे वह अपने क्रिकेट करियर के दौरान भी बनाए रखते थे। यह सभी गेटअप राइज एंड फाल सीजन 2 के प्रमोशन का हिस्सा हैं। पहले सत्र में इस शो की मेजबानी उद्योगपति अश्नीर ग्रोवर ने की थी पर अब ये सहवाग संभालेंगे। यह शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होगा, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना होगा और उन्हें अपने उत्थान और पतन की कहानी खुद गढ़नी होगी। शो के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाले प्रतियोगियों की लिस्ट भी सामने आ गई है, जिसमें कई जाने-माने चेहरे शामिल हैं। अभिनेत्री स्वरा भास्कर, अभिनेता करण पटेल और बिग बास फेम प्रियंका चाहर चौधरी जैसे लोकप्रिय कलाकार इस सीजन का हिस्सा होंगे। क्रिकेट के मैदान पर अपनी निर्भीक शैली के लिए जाने जाने वाले वीरेंद्र सहवाग अब छोटे पर्दे पर अपनी अनोखी होस्टिंग स्टाइल से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

भारत-अफगानिस्तान द फ्रेंडशिप कप पर रोहन जेटली ने जताया उत्साह, कहा- क्रिकेट ने दोनों देशों को करीब लाने में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली गई द फ्रेंडशिप कप टी-20 श्रृंखला के सफल आयोजन पर खुशी जताई है। उन्होंने भारत को तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से जीत की बधाई देते हुए कहा कि यह श्रृंखला क्रिकेट के शानदार उत्सव के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्तों की भी अभिव्यक्ति बनी।

रोहन जेटली ने कहा, भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ यादगार 3-0 की श्रृंखला जीत के लिए बधाई। द फ्रेंडशिप कप क्रिकेट का शानदार उत्सव रहा। अरुण जेटली स्टेडियम में तीनों मैचों के दौरान 85 हजार से अधिक दर्शकों की भारी मौजूदगी देखकर बेहद खुशी हुई। अफगानिस्तान से भी हजारों प्रशंसक इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली पहुंचे। पूरी श्रृंखला के दौरान स्टेडियम में नजर आया शानदार माहौल दिल्ली में क्रिकेट के प्रति लोगों के जुनून को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला दिल्ली में खेलना दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और लोगों को करीब लाने में खेल की भूमिका का बेहतरीन उदाहरण रहा। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंधों के दृष्टिकोण के अनुरूप भी बताया।

डीडीसीए अध्यक्ष ने कहा, हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के सहयोग और प्रयासों के लिए आभारी हैं, जिनकी वजह से यह श्रृंखला संभव हो सकी और दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इस यादगार अध्याय का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि डीडीसीए और दिल्ली भारत तथा अफगानिस्तान के बीच तीन रोमांचक मुकाबलों की मेजबानी में अपनी भूमिका निभा सके। इससे प्रशंसकों को दोनों टीमों के बीच शानदार और उच्च स्तर का क्रिकेट देखने का अवसर मिला।

अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक से भारत ने अफगानिस्तान को 127 रन से हराया

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 127 रन की शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने अभिषेक शर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 221 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 14.1 ओवर में 94 रन पर आलआउट हो गई। नीतीश कुमार रेड्डी और रवि बिश्नोई ने तीन-तीन विकेट और अक्षर पटेल ने 2, जसप्रीत बुमराह और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट लिया। भारत की जीत के सबसे बड़े नायक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने महज 34 गेंदों पर 108 रन की तूफानी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी पारी में नौ चौके और 11 छक्के लगाए। उन्होंने केवल 30 गेंदों में शतक पूरा कर इतिहास रच दिया। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक रहा। उनका शतक टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे तेज शतकों में तीसरे स्थान पर रहा।

डासन और बेंटन के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को छह विकेट से हराया

कार्डिफ

लियाम डासन और टाम बेंटन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने आक्रामक शुरुआत की। पाथुम निसांका ने जोफ्रा आर्चर के पहले ही ओवर में तीन चौके जड़ दिए, जबकि लाहिरू उदारा ने भी बाद में तेजी पकड़ी। श्रीलंका ने पांचवें ओवर के आधे पड़ाव तक 50 रन पूरे कर लिए।

इंग्लैंड के कप्तान ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में लियाम डासन को गेंद सौंपी और बाएं हाथ के स्पिनर ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर श्रीलंका की रफ्तार पर अंकुश लगा दिया। निसांका 37 रन बनाकर जेमी ओवरटन का शिकार बने। ओवरटन ने इसके बाद कामिंदु मेंडिस को बोल्ड किया, जबकि डासन ने दासुन शनाका को आउट कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं।

कप्तान चरिथ असलंका और वानिंदु हसरंगा ने 44 रन की साझेदारी कर श्रीलंका की पारी को संभाला। डासन के अंतिम ओवर में 18 रन आए, जिससे श्रीलंका ने 170 के आसपास पहुंचने की उम्मीद जगाई। हालांकि अंतिम तीन ओवरों में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की।

हैरी ब्रूक का आदिल राशिद को गेंद सौंपने का फैसला कारगर रहा और राशिद ने असलंका को आउट कर दिया। इसके बाद सानी बेकर ने 19वें ओवर में विकेट मेडन डालते हुए हसरंगा को पवेलियन भेजा। अंतिम ओवर में आर्चर ने दो विकेट झटके और श्रीलंका ने सात रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। पूरी टीम 20 ओवर में 145 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड ने भी तेज शुरुआत की। एनेयूरिन डोनाल्ड ने दुश्मंथा चमीरा के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की, जबकि जोस बटलर ने दिलशान मदुशंका के एक ओवर में चार चौके जड़े। इसी दौरान बटलर टी20 क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने।

डोनाल्ड और बटलर पावरप्ले में ही आउट हो गए, लेकिन इंग्लैंड की रन गति पर कोई असर नहीं पड़ा। हैरी ब्रूक ने हसरंगा के एक ओवर में तीन छक्के जड़े। ब्रूक चौथा छक्का लगाने की कोशिश में डीप स्क्वायर लेग पर शानदार कैच का शिकार हुए।

इसके बाद टाम बेंटन ने मोर्चा संभाला और लगातार आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। श्रीलंका के स्पिनरों ने कई बार गेंद छोटी रखी, जिसका बेंटन और इंग्लैंड ने पूरा फायदा उठाया। इंग्लैंड ने 10वें ओवर की समाप्ति पर 120 रन पूरे कर लिए। बेंटन ने ईशान मलिंगा के ओवर में लगातार दो छक्के भी लगाए।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सायर का चार साल बाद कार्यकाल समाप्त

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने महिला टीम की मुख्य कोच बेन सायर के अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले सायर का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक था, लेकिन महिला क्रिकेट की उच्च प्रदर्शन संरचना की व्यापक समीक्षा के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बदलाव का निर्णय लिया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, समीक्षा में महिला टीम के लिए एक नई परफार्मेंस लीड भूमिका की जरूरत सामने आई है। इसके अलावा, रैचल पेटिट के पास मौजूद मैनेजर का पद भी समाप्त कर दिया गया है।

अगले महीने आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अंतरिम मुख्य कोच और टीम मैनेजर टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्थायी मुख्य कोच और परफार्मेंस लीड के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। आस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड की टीम की घोषणा अक्टूबर की शुरुआत में की जाएगी।

सायर ने जून 2022 में न्यूजीलैंड महिला टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल में टीम ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता और सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में 2024 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का ऐतिहासिक खिताब अपने नाम किया। जार्जिया प्लिमर, ईडन कार्सन और इज़ी गेज जैसी युवा खिलाड़ियों ने भी सायर के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बनीं।

सायर ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, व्हाइट फर्न्स की कोचिंग करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा और मैं इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिलने के लिए बेहद आभारी हूं। यह टीम मेरे लिए बहुत मायने रखती है और मुझे पिछले चार वर्षों में हमने जो हासिल किया, उस पर बेहद गर्व है। हालांकि टीम से अलग होने को लेकर मैं निराश हूं, लेकिन मैं टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य हाई परफार्मेंस क्रिकेट अधिकारी डेरिल गिब्सन ने सायर के योगदान की सराहना करते हुए कहा, बेन ने व्हाइट फर्न्स के लिए बदलाव और प्रगति के महत्वपूर्ण दौर का नेतृत्व किया। महिलाओं के खेल के लिए उन्होंने जो प्रतिबद्धता, पेशेवर रवैया और समय दिया, उसके लिए हम उनके बेहद आभारी हैं।

गिब्सन ने कहा, यह एक कठिन फैसला था और इसे हल्के में नहीं लिया गया। हमारा मानना है कि व्हाइट फर्न्स की यात्रा के अगले चरण के लिए कार्यक्रम की भविष्य की दिशा को आगे बढ़ाने के लिए अलग नेतृत्व दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर ने भी सायर के योगदान को याद करते हुए कहा कि 2024 टी20 विश्व कप जीत के दौरान उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कहा, हम बेन और टीम के लिए उनके द्वारा किए गए हर प्रयास के लिए बेहद आभारी हैं। उनकी तैयारी का स्तर शानदार था। उन्होंने इस भूमिका में अपना पूरा दिल और आत्मा लगा दी और टीम को बेहतर बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।

राधे-राधे ग्रुप के मार्गदर्शन से मिलता है सेवा का भाव : कमल मूदंडा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वॉटर टैंक के समीप शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवाभाव और समर्पण के साथ जरूरतमंदों को अन्न का वितरण किया। नियमित रूप से चल रहे इस सेवा कार्य के माध्यम से ग्रुप द्वारा मानव सेवा की भावना को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल मूदंडा ने कहा कि सेवा का भाव राधे-राधे ग्रुप के मार्गदर्शन में ही मिलता है। ग्रुप जिस प्रकार निस्वार्थ भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान सहित विभिन्न सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

कमल मूदंडा ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में हमेशा से महत्वपूर्ण स्थान मिला है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना पुण्य के साथ-साथ मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान से जरूरतमंद लोगों को सहयोग मिल रहा है और समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिल रही है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, कमल मूदंडा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने पूरे सेवाभाव के साथ अन्नदान कार्यक्रम में सहयोग किया।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस विद्यार्थियों के लिए बदलाव लाने वाला अनुभव : अविनाश कोल्ला

डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल में मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026 का आयोजन, हैदराबाद के करीब 15 स्कूलों के 300 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जाने-माने कला निर्देशक अविनाश कोल्ला ने कहा कि मॉडल यूनाइटेड नेशंस विद्यार्थियों के लिए एक बदलाव लाने वाला अनुभव है, जिससे उन्हें नेतृत्व क्षमता, वैश्विक जागरूकता और आवश्यक जीवन कौशल सीखने में मदद मिलती है।डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल ने शुक्रवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके गुंडलापोचमपल्ली स्थित अपने परिसर में 'मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026' का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य शहर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों के बीच वैश्विक मुद्दों, नीतिगत निर्माण और सामाजिक सहभागिता को लेकर जागरूकता बढ़ाना तथा बेहतर दुनिया के निर्माण की दिशा में विद्यार्थियों को प्रेरित करना था। मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026 का उद्घाटन करते हुए अविनाश कोल्ला ने कहा कि मॉडल यूनाइटेड नेशंस विद्यार्थियों को स्वयं को वैश्विक समुदाय का हिस्सा मानने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना की समझ विकसित करके यह आयोजन विद्यार्थियों को उन मुद्दों पर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। साथ ही यह स्थानीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर बदलाव लाने की उनकी क्षमता को पहचानने का अवसर देता है। यूनाइटेड डिप्लोमैटिक काउंसिल के निदेशक एवं सम्मानित अतिथि मोनीश पट्टीपति ने मॉडल यूनाइटेड नेशंस को व्यक्तिगत एवं बौद्धिक विकास की यात्रा बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विद्यार्थी इसके माध्यम से अपने लिए आवाज उठाना, अपने विचारों का मजबूती से पक्ष रखना और दुनिया के बारे में आलोचनात्मक ढंग से सोचना सीखते हैं।

डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध, राजनीति विज्ञान या कानून में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए मॉडल यूनाइटेड नेशंस ऐसा मंच है, जो उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी, मार्गदर्शन और संपर्क उपलब्ध कराता है। ये अनुभव उनके भविष्य के करियर की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि स्कूल के कई पूर्व विद्यार्थियों ने अपने मॉडल यूनाइटेड नेशंस अनुभव से प्रेरणा ली है और कूटनीति, सरकार, कानून तथा गैर-लाभकारी क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में सफल करियर बनाया है।

डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य आई. वेणुगोपाल ने बताया कि स्कूल विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से जोड़ने तथा संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों और कार्यप्रणाली के बारे में उनकी समझ को गहरा करने के लिए प्रतिवर्ष मॉडल यूनाइटेड नेशंस का आयोजन करता है। इस वर्ष हैदराबाद के करीब 15 स्कूलों के 300 विद्यार्थी इसमें भाग ले रहे हैं।इस अवसर पर डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक गर्व अग्रवाल, सृष्टि अग्रवाल, उपप्रधानाचार्य पूजा सक्सेना, मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026 की अध्यक्ष मैरी तनुजा सहित अन्य गणमान्य लोग एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

हिन्दी भाषा से ही आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना संभव : प्रो. सर्राजू

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ

जम्मू, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी प्रकोष्ठ तथा हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी के प्रति प्रेम, सम्मान एवं गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने तथा विश्वविद्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 14 से 30 सितंबर 2026 तक हिन्दी पखवाड़ा-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ संगोष्ठी एवं विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ हुआ। कार्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन ने अपने प्रेषित संदेश में विश्वविद्यालय में हिन्दी भाषा के प्रयोग के प्रति बढ़ रही रुचि पर हर्ष जताते हुए सभी को हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रगीत के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. यशवंत सिंह, मुख्य वक्ता हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व समकुलपति तथा वर्तमान में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ भाषा विशेषज्ञ प्रो. आर. एस. सर्राजू, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र तथा हिन्दी प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. प्रियंजन मंचासीन रहे। सभी मंचासीन अतिथियों का स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र ने सभी मंचासीन अतिथियों तथा सभागार में उपस्थित संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके पश्चात केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा हिन्दी दिवस पर जारी किए गए संदेश का पाठ किया गया।

अपने संबोधन में कुलसचिव प्रो. यशवंत सिंह ने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि संवेदना का आधार है। यह सम्पूर्ण भारत को जोड़ने वाली भाषा है और हर भारतीय की आत्मा से जुड़ी हुई है। यह हम सभी के जीवन को दृष्टि देने वाली भाषा है। भारत में जितनी प्रांतीय भाषाएं हैं, वे सभी हिन्दी से किसी न किसी रूप में संबंधित हैं। वर्तमान में तकनीकी विकास के कारण हिन्दी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भाषा बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मुख्य वक्ता प्रो. आर. एस. सर्राजू ने कहा कि स्वतंत्रता से पूर्व हिन्दी हमारी संपर्क भाषा रही है और आज भी यह पूरे भारत की संपर्क भाषा बनी हुई है। संविधान के लागू होने के बाद हिन्दी हमारी राजभाषा बनी। उन्होंने कहा कि विज्ञान के विकास के चलते हिन्दी तकनीकी भाषा के रूप में विकसित हुई है और वर्तमान में इसकी अंतरराष्ट्रीय मांग भी बढ़ी है।

बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑल-न्यू आईफोन 18 प्रो सीरीज का अनावरण

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स ने ऑल-न्यू आईफोन 18 प्रो सीरीज के अनावरण का आयोजन किया। अभिनेत्री राशी सिंह ने बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑल-न्यू आईफोन 18 प्रो सीरीज का अनावरण किया। आईफोन 18 प्रो सीरीज अब सभी बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स पर उपलब्ध है।अभिनेत्री राशी सिंह ने बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑल न्यू आईफोन 18 प्रो सीरीज का अनावरण किया। अनावरण के दौरान नई एप्पल वॉच और एयरपॉड्स लाइन-अप को भी प्रदर्शित किया गया।

कपास किसानों की समस्याओं को लेकर 22 सितंबर को आदिलाबाद में समीक्षा बैठक

किनवट, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी खरीफ सीजन 2026-27 में कपास किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने और कपास खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए 22 सितंबर को आदिलाबाद में कृषि विपणन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने किनवट विधानसभा क्षेत्र के विधायक भीमराव केराम को बैठक में आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया है।

बैठक में कृषि एवं विपणन विभाग, भारतीय कपास निगम (सीसीआई), कृषि उपज बाजार समितियों, जिनिंग मिल मालिकों, किसान प्रतिनिधियों सहित संबंधित पक्षों के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में एमएसपी पर कपास खरीद, खरीद केंद्रों की तैयारियों, बाजार व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर चर्चा होगी।

विधायक भीमराव केराम माहुर क्षेत्र के कपास किसानों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखकर उचित मूल्य, सुचारू खरीद और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समन्वय पर जोर देंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोली खुद...

सालों तक सरकारी पक्ष की दलीलों और कोली के कबूलनामे की वजह से उसकी पहचान निठारी हत्याकांड से ही जुड़ी रही।

मेरठ जेल में फांसी से कैसे बचा कोली

सितंबर 2014 तक कोली पहले मामले में अपनी अपील और पुनर्विचार की प्रक्रिया पूरी कर चुका था और उसकी दया याचिका भी खारिज हो गई थी। उसे मेरठ जेल भेज दिया गया, जहां 8 सितंबर की सुबह उसे फांसी दी जानी थी। जल्लाद को बुला लिया गया था और जेल प्रशासन फांसी की तैयारी कर रहा था।लेकिन 7 सितंबर की देर रात वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायमूर्ति ए.आर. दवे और न्यायमूर्ति एच.एल. दत्त की आपात पीठ ने न्यायमूर्ति दत्त के आवास पर इस मामले की सुनवाई की। रात करीब 1 बजे, यानी कोली को फांसी दिए जाने से कुछ ही घंटे पहले अदालत ने उसकी फांसी पर रोक लगा दी।

फांसी का फंदा तैयार था। कोली उससे बच गया और वह जिंदा रहा। जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उसकी दया याचिका पर फैसला लेने में हुई देरी की वजह से उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। लेकिन कोली जेल में ही रहा, क्योंकि निठारी के दूसरे मामलों की सुनवाई अदालतों में चल रही थी।

...और बरी हो गया कोली

11 नवंबर 2025 को भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की तीन सदस्यीय पीठ ने कोली की आखिरी बची हुई सजा को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी सुधारात्मक याचिका स्वीकार करते हुए दोषसिद्धि को रद्द कर दिया और उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि एक ही साक्ष्य के आधार पर दो अलग-अलग नतीजे कानूनी रूप से एक साथ नहीं हो सकते।सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर किसी अन्य मामले में उसकी जरूरत न हो तो उसे तत्काल रिहा कर दिया जाए। एक दिन बाद, 12 नवंबर को कोली ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल से बाहर आ गया। उसने लगभग 19 साल जेल में बिताए थे।

रिहाई के बाद हरिद्वार में बस गया, चाय की दुकान चलाने लगा

रिहा होने के बाद कोली नोएडा के निठारी स्थित डी-5 बंगले से दूर चला गया। आखिरकार वह हरिद्वार में मिला, जहां पुलिस के मुताबिक वह पिछले कुछ समय से रह रहा था और चाय की दुकान चला रहा था। हरिद्वार में वह लगभग गुमनामी की जिंदगी जी रहा था। वही व्यक्ति, जिसका चेहरा भारत के सबसे चर्चित आपराधिक मामलों में एक के आरोपी के तौर पर टीवी स्क्रीन और अखबारों में छाया हुआ था।

फिर शुक्रवार, 18 सितंबर को कोली हरिद्वार में अपनी चाय की दुकान में फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच कराई गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस उसकी मौत की परिस्थितियों और कारणों की जांच कर रही है।

गूंगा बोला...

इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि उसकी आवाज पूरी तरह वापस आ गई है। वास्तव में यह तकनीक मस्तिष्क में पैदा होने वाले संकेतों को पढ़कर उन्हें कंप्यूटर के जरिए शब्दों और आवाज में बदल रही है।

न्यूरालिंक का एन-1 एक मस्तिष्क-कंप्यूटर अंतरफलक है। आसान भाषा में समझें तो यह मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच एक रास्ता बनाता है। जब कोई व्यक्ति बोलने के बारे में सोचता है, तो मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में खास तरह के संकेत बनते हैं। सामान्य स्थिति में ये संकेत मुंह, जीभ और स्वर-तंत्रियों तक पहुंचते हैं और इंसान बोल पाता है। लेकिन एएलएस, मस्तिष्काघात या रीढ़ की गंभीर चोट जैसी स्थितियों में मस्तिष्क से शरीर के बोलने वाले अंगों तक यह संकेत प्रणाली काम नहीं कर पाती, जबकि व्यक्ति के पास बोलने की इच्छा और सोचने की क्षमता बनी रह सकती है।

न्यूरालिंक का वॉइस परीक्षण इसी समस्या पर काम कर रहा है। कंपनी के मुताबिक, एन-1 प्रत्यारोपण मस्तिष्क से आने वाले इन संकेतों को पकड़कर उन्हें लिखित शब्दों या सीधे आवाज में बदलने की कोशिश करता है।

यानी इसे ऐसे समझिए कि इंसान बोल नहीं पा रहा, लेकिन उसके मस्तिष्क में शब्द बनाने की कोशिश हो रही है। चिप उन संकेतों को पढ़ती है और सॉफ्टवेयर उन्हें आवाज में बदल देता है।

पहले कंप्यूटर का कर्सर चलाया, अब बातचीत पर जोर

यह पहली बार नहीं है। न्यूरालिंक पिछले कुछ समय से अपने मस्तिष्क प्रत्यारोपण के अलग-अलग इस्तेमाल दिखाता रहा है। कंपनी के चिकित्सकीय परीक्षणों में लोग केवल सोचकर कंप्यूटर के कर्सर और दूसरे उपकरणों को नियंत्रित कर चुके हैं।

अब ध्यान बातचीत पर है। न्यूरालिंक के मुताबिक, उसके वॉइस कार्यक्रम में गंभीर रूप से बोलने में असमर्थ लोगों के लिए एन-1 प्रत्यारोपण की मदद से बातचीत संभव बनाने की जांच की जा रही है। इस परीक्षण में एएलएस, मस्तिष्काघात और रीढ़ की चोट जैसी स्थितियों से जूझ रहे लोगों को शामिल किया जा रहा है।

इससे पहले भी मस्तिष्क-कंप्यूटर अंतरफलक के जरिए लोगों को बोलने में मदद मिली है। अमेरिका में वैज्ञानिकों ने ऐसे तंत्र विकसित किए हैं, जो मस्तिष्क के संकेतों को शब्दों में बदल सकते हैं। जुलाई 2026 में अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान ने भी ऐसे मस्तिष्क-कंप्यूटर तंत्र के बारे में बताया था, जिसके जरिए लकवे से पीड़ित एक व्यक्ति घर पर रहते हुए बोल पाया।

न्यूरालिंक के वीडियो के बीच एक और बड़ी शोध सामने आई है। वैज्ञानिकों ने ऐसा मस्तिष्क प्रत्यारोपण तंत्र दिखाया है, जो व्यक्ति के इरादे से जुड़े शब्दों के साथ-साथ हाथों के इशारों को भी समझ सकता है।

इस तंत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता मस्तिष्क की गतिविधियों को पढ़कर शब्दों को स्क्रीन पर दिखाती है और एक डिजिटल अवतार के जरिए इशारे भी करवाती है। यह शोध 14 सितंबर को नेचर न्यूरोसाइंस पत्रिका में प्रकाशित हुई।इसका मतलब है कि आने वाले समय में ऐसी तकनीक सिर्फ यह समझने तक सीमित नहीं रहेगी कि इंसान क्या कहना चाहता है, बल्कि यह भी समझने की कोशिश कर सकती है कि वह किस तरह अपनी बात कहना चाहता है। हालांकि, इसे इंसान की आवाज वापस आना कहना अभी जल्दबाजी होगी।

लड्डू...

मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स और ए.आर. डेयरी फूड्स सहित विभिन्न मोहरा संस्थाओं के माध्यम से मिलावटी घी की आपूर्ति का समन्वय किया।

प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि मंगला ने मिलावट करने वाले पदार्थों के वास्तविक उपयोग को छिपाने और वास्तविक गाय के घी के वैध उत्पादन तथा आपूर्ति का रूप देने के उद्देश्य से घी और रिफाइंड पाम तेल की बिक्री तथा खरीद से संबंधित झूठे रिकॉर्ड बनाए और उनका रखरखाव किया।मामले में पहले भी हो चुकी है मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी

इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने मैसर्स भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड के प्रवर्तक और निदेशक विपिन जैन को गिरफ्तार किया था, जिस पर मामले की जारी जांच के हिस्से के रूप में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को मिलावटी घी के निर्माण और धोखाधड़ी से आपूर्ति की साजिश रचने का आरोप है।प्रवर्तन निदेशालय ने तिरुपति पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी।

नंदी...

उपचुनाव से इसका कोई संबंध नहीं है।राहुल गांधी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि यह गिरफ्तारी कोई संयोग नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है और इसे लोकतंत्र की हत्या बताया। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को निष्पक्ष चुनाव में भरोसा नहीं है, इसलिए वह कभी वोट चोरी, कभी सरकार चोरी और कभी पार्टी चोरी के जरिए सत्ता बचाने की कोशिश करती है। भाजपा चुनाव लड़ने के बजाय चुनावी मुकाबला खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस न डरेगी और न झुकेगी, बल्कि चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। ये राहुल गांधी और कांग्रेस के राजनीतिक आरोप हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने आरोप लगाया कि नामांकन और जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मिलन प्रधान प्रचार कर रहे थे। गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही प्रधान ने पार्टी नेताओं से फोन पर बात कर कुछ लोगों से धमकी मिलने की बात कही थी। इसके बाद उन्हें चांदीपुर के होटल से गिरफ्तार किया गया। सरकार ने कहा कि एक अन्य कांग्रेस नेता सुब्हाषिस भट्टाचार्य को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।

ममता खेमे की उम्मीदवार ने लिया नामांकन वापस

ममता खेमे की ओर से उम्मीदवार बनाई गईं संचिता प्रधान डे पेशे से शिक्षिका हैं। शुक्रवार को वह अपने पति सत्यजीत के साथ राज्य सचिवालय नबन्ना पहुंचीं और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने उपचुनाव से अपना नामांकन वापस ले लिया। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 19 सितंबर है। हालांकि, उनके नामांकन वापस लेने की वजह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी।उनके नाम वापस लेने के बाद नंदीग्राम में ममता बनर्जी के खेमे का कोई उम्मीदवार नहीं रह गया। इसके बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस के मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया। ममता ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस को सहयोगी पार्टी बताते हुए कहा कि नंदीग्राम में कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संदेश की शुरुआत बंगाल से होनी चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न पर विवाद

नंदीग्राम में यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर भी विवाद चल रहा है। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम और उसके पारंपरिक फूल और घास चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।

आयोग ने ममता बनर्जी के गुट को ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम और फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिह्न आवंटित किया है। वहीं अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दूसरे गुट को डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस नाम और लिफाफा चुनाव चिह्न दिया गया है। यह व्यवस्था फिलहाल अंतरिम है और दोनों गुट इन नए नामों व चिह्नों के साथ आगामी उपचुनाव में भाग लेंगे।

नाम-चिह्न...

अब दोनों गुट उपचुनाव में नए पार्टी नाम और चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ेंगे। दोनों सीटों के परिणाम 9 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले शुक्रवार को चुनाव आयोग के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी ने कहा, चुनाव आयोग मेरी पार्टी का वह चुनाव चिह्न कैसे फ्रीज कर सकता है, जो 28 साल से हमारे पास है। न तो हम सिर झुकाएंगे और न ही हार मानेंगे। हम लड़ेंगे और वापसी करेंगे।ममता ने तृणमूल कांग्रेस के बागी नेताओं पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी के बागी भाजपा की ए-टीम हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुने गए थे, वे ही अब उसी चुनाव चिह्न को चुनौती दे रहे हैं। ये ममता बनर्जी के राजनीतिक आरोप हैं।

टीएमसी के दोनों गुट अपने-अपने उम्मीदवार उतार चुके

पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी तृणमूल कांग्रेस धड़े की ओर से मोहम्मद एतेशामुल हक को नंदीग्राम और सफीउद्दीन शेख को रेजीनगर से उम्मीदवार बनाया गया है।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को नंदीग्राम से संचिता प्रधान (डे) और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया था। हालांकि, संचिता प्रधान (डे) ने शुक्रवार को अपना नामांकन वापस ले लिया।

जद(यू) नीतीश...

इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनता को पिछले 20 वर्षों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों के बारे में बताया जाना चाहिए। नीतीश कुमार ने दिनभर चलने वाले इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे के राजनीति में आने से कुछ सप्ताह पहले अप्रैल में बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

कार्यक्रम में मौजूद जेडीयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पिता-पुत्र की जोड़ी की तारीफ में नारे लगाए। नीतीश कुमार जब दीप प्रज्वलित कर रहे थे, तब निशांत कुमार भी उनके साथ शामिल हो गए।

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद के अनुसार, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा आयोजित इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों को बहस और चर्चाओं में अधिक प्रभावी तरीके से हिस्सा लेने में मदद करना था।

जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि अभिमुखीकरण कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि हम एक गंभीर और जिम्मेदार पार्टी हैं, जो अपने कार्यकर्ताओं के कौशल को बेहतर बनाने में विश्वास रखती है, जबकि हमारे विरोधी दल ने अपने कार्यकर्ताओं से तेल में डूबी लाठियां घुमवाई थीं।

संजय झा का आरजेडी की लाठी रैली पर निशाना

संजय कुमार झा का यह बयान राष्ट्रीय जनता दल की 2003 में आयोजित तेल पिलावन लाठी घुमावन रैली की ओर इशारा था। यह रैली उस समय आयोजित की गई थी, जब आरजेडी बिहार में सत्ता में थी और पार्टी की संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री थीं।

रैली के दौरान पटना की सड़कों पर फैली अराजकता का जिक्र राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अक्सर यह आरोप लगाने के लिए करता है कि उस दौर में बिहार में जंगल राज था। यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और उसके नेताओं द्वारा लगाया गया राजनीतिक आरोप है।

मस्जिद...

के खैबर पख्तूनख्वा में हुआ यह हमला कुछ ही मिनटों में बड़े आतंकी हमले में बदल गया। मस्जिद के आसपास की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और मलबा चारों तरफ फैल गया। बाद में पुलिस लाइन परिसर में हथियारबंद हमलावरों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। ताजा स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई है और 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या पुलिसकर्मियों की बताई गई है।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस प्रमुख जुल्फिकार हमीद के मुताबिक, हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी को पुरानी पुलिस लाइन परिसर के गेट से टकरा दिया। टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट की ताकत इतनी अधिक थी कि मस्जिद और आसपास के हिस्सों को भारी नुकसान पहुंचा तथा जमीन पर गड्ढा भी बन गया।

लेकिन चीख-पुकार का यह सिलसिला एक धमाके पर खत्म नहीं हुआ। धमाके के बाद पुलिस लाइन परिसर के भीतर हथियारबंद हमलावरों और सुरक्षा बलों के बीच गोलियां चलने लगीं। पुलिस के अनुसार, विस्फोट के बाद सात सशस्त्र हमलावर परिसर में घुस गए थे। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

पुलिस के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में सातों हमलावर मारे गए। इनमें आत्मघाती हमलावर और एक स्नाइपर भी शामिल था।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी पुलिस लाइन परिसर के प्रवेश द्वार से टकरा दी, जिसके बाद हथियारबंद आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई।

प्रांतीय पुलिस प्रमुख जुल्फिकार हमीद ने शुरुआती जानकारी में बताया था कि आत्मघाती धमाके में कम से कम 16 लोग मारे गए, जिनमें पांच पुलिसकर्मी और 11 आम नागरिक शामिल थे। उन्होंने कहा, गाड़ी गेट से टकराई और फिर उसमें धमाका हो गया, साथ ही गोलीबारी भी हुई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ गोलीबारी के दौरान विशेष शाखा की इमारत के पास एक और आत्मघाती धमाका हुआ।हालांकि, बाद में जिला स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय पुलिस अधिकारियों की ओर से जारी जानकारी में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 बताई गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 15 पुलिसकर्मी और छह नागरिक शामिल हैं, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं।पुलिस के अनुसार धमाका इतना जबरदस्त था कि मस्जिद का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास की दीवारें गिर गईं। घटनास्थल पर मलबा फैल गया। घायलों में बड़ी संख्या नमाज पढ़ने वाले लोगों की बताई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों और बचावकर्मियों के अनुसार, विस्फोट के बाद लोगों को मलबे से निकालने का अभियान चलाया गया।जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में घायल पहुंचाए गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 100 से अधिक घायलों को विभिन्न अस्पतालों में लाए जाने की जानकारी भी सामने आई है।रेस्क्यू 1122 खैबर पख्तूनख्वा के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी के अनुसार, जानकारी मिलते ही बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गया और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। बड़ी संख्या में एंबुलेंस, बचाव वाहन और बचावकर्मी मौके पर भेजे गए। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर तलाशी अभियान भी चलाया। पुलिस और आतंकवाद निरोधक विभाग के जवानों ने पुलिस लाइन परिसर में घुसे हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की। अधिकारियों के मुताबिक अभियान का उद्देश्य परिसर को पूरी तरह सुरक्षित करना और किसी अन्य हमलावर की मौजूदगी की जांच करना था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 19 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज महिला उत्सव की तैयारियों को लेकर भव्य बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी 7 अक्टूबर को महिला उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महिला उत्सव को सफल, आकर्षक एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज राघव रत्ना टावर्स की 10वीं मंजिल पर महिला सदस्यों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव एवं विचार साझा किए।

बैठक के दौरान महिला उत्सव के आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विभिन्न शाखाओं की सहभागिता तथा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सभी शाखाओं की महिलाओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपनी-अपनी शाखाओं की ओर से विशेष प्रस्तुतियां तैयार करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की इमारत मंत्री डॉ. सीमा जैन ने बैठक का मार्गदर्शन करते हुए महिला उत्सव की विस्तृत रूपरेखा सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं भव्य रूप देने के लिए विभिन्न समितियों एवं शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया। डॉ. सीमा जैन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों, प्रस्तुतियों के क्रम, प्रतिभागियों की जानकारी तथा मंचीय व्यवस्थाओं सहित आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सदस्यों के साथ चर्चा की।

उन्होंने कहा कि महिला उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की महिलाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सहभागिता को एक सशक्त मंच प्रदान करने का अवसर है। समाज की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने तथा एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलता है।

बैठक में उपस्थित महिलाओं ने भी कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव दिए तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं गतिविधियों को लेकर आपसी विचार-विमर्श किया। विभिन्न शाखाओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों को आकर्षक एवं विषयानुकूल बनाने पर भी चर्चा हुई।महिला उत्सव में समाज की विभिन्न शाखाओं की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता और महिला प्रतिभा को प्रमुखता देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए आने वाले दिनों में विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को और गति दी जाएगी तथा शाखाओं के साथ निरंतर समन्वय किया जाएगा।

बैठक में महिलाओं में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी ने एकजुट होकर महिला उत्सव को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह महिला उत्सव अग्रवाल समाज की महिलाओं की एकता, प्रतिभा और सहभागिता का विशेष उत्सव बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सहस्त्र मोदक महागणपति हवन कल

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहस्त्र मोदक, 51 नारियल एवं अष्टद्रव्य महागणपति हवन के आयोजन के संदर्भ में ऋषि श्रृंग भवन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के आयोजक विश्व विजय मित्र मंडल एवं वानर सेना फ्रेंड्स क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन की तैयारियों की जानकारी साझा की तथा हवन को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया।इस अवसर पर रामदेव नागला, मुरलीधर तिवाड़ी, गिरिराज उपाध्याय, जगदीश तिवाड़ी, सदाशिव नागला एवं बद्रीलाल तिवाड़ी सहित आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से 20 सितंबर को आयोजित होने वाले महागणपति हवन में उपस्थित होकर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सहभागिता से धार्मिक आयोजन को और अधिक भव्यता प्राप्त होगी।

अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बने सुरेश कुमार सिंघल

मुकुंद लाल अग्रवाल प्रदेश महामंत्री मनोनीत, 2026-31 सत्र के लिए नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की तैयारी

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (पंजी.) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा वर्ष 2026-31 सत्र के लिए श्री सुरेश कुमार सिंघल को तेलंगाना प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष तथा श्री मुकुंद लाल अग्रवाल को प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया गया है।

नवमनोनीत प्रदेश महामंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि दोनों पदों पर मनोनयन के संबंध में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री गोपाल गोयल की ओर से अधिकृत पत्र प्राप्त हुआ है।उन्होंने बताया कि तेलंगाना प्रदेश के शेष पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों के मनोनयन के लिए प्रदेश अध्यक्ष को अधिकृत किया गया है। इस संबंध में शीघ्र ही विचार-विमर्श कर नई प्रदेश कार्यकारिणी एवं विभिन्न समितियों की घोषणा की जाएगी।

सदस्यता अभियान और संगठनात्मक समन्वय पर रहेगा जोर

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि

तेलंगाना प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी। इसके अंतर्गत सदस्यता अभियान को गति देना, प्रदेश एवं राष्ट्रीय संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदेश के अग्रबंधुओं तक पहुंचाना प्रमुख लक्ष्य होंगे।

इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर अग्रवाल परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने तथा राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा तेलंगाना प्रदेश के सामाजिक एवं संगठनात्मक विकास के लिए दिए जाने वाले सुझावों एवं योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा।

'संगठन में ही शक्ति है' की भावना से कार्य करने का संकल्प

श्री सुरेश कुमार सिंघल एवं श्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है की भावना को आत्मसात करते हुए नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलेगी और अग्रवाल समाज की एकता, सेवा, सहयोग एवं संगठनात्मक मजबूती के लिए निरंतर कार्य करेगी।

इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार श्री नरेन्द्र कुमार गोयल, मुख्य सलाहकार श्री गोपाल मोर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय सह-प्रवक्ता श्री अशोक बंसल, राष्ट्रीय महिला महामंत्री श्रीमती रिंकू गर्ग तथा निवर्तमान अध्यक्ष श्री योगेश जैन सहित संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं अग्रबंधुओं ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

भाजपा ट्रेडर्स सेल द्वारा राष्ट्रगान एवं मिठाई वितरण कार्यक्रम संपन्न

प्रदेश संयोजक डॉ. वुप्पला शारदा के नेतृत्व में पांच स्थानों पर आयोजित हुए देशभक्ति कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना ट्रेडर्स सेल के तत्वावधान में आज विभिन्न जिलों में देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ट्रेडर्स सेल की प्रदेश संयोजक डॉ. वुप्पला शारदा के नेतृत्व में कुल पांच स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रगान के साथ विद्यार्थियों में मिठाई व पानी का वितरण

1. हैदराबाद सेंट्रल जिला: सुबह 8:15 से 9 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर, केशव नगर, श्रीनगर कॉलोनी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके संयोजक शिवानंद अग्रवाल, पीयूष जैन, प्रदीप चांडक एवं सरिता जैन रहे। राष्ट्रगान के बाद 350 बच्चों को मिठाई एवं पानी की बोतलें वितरित की गईं।

2. रंगारेड्डी ग्रामीण जिला: सुबह 11:30 से दोपहर 12 बजे तक एमपीटीएस स्कूल, उप्परापल्ली, पिलर नंबर 175 में कार्यक्रम हुआ। इसके संयोजक ललित कुमार अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सिद्धार्थ गिलाडा एवं पन्ना लाल काछावा रहे। राष्ट्रगान के उपरांत 150 विद्यार्थियों में मिठाई वितरित की गई।

3. गोलकोंडा जिला: दोपहर 3:30 से 4 बजे तक मारवाड़ी हिंदी विद्यालय, बेगम बाजार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयोजक राजेश कुमार करवा, नरेंद्र बंसल, गोविंद जाजू एवं निमेष जैन रहे। इस दौरान 300 विद्यार्थियों को मिठाई एवं जल वितरित किया गया।

4. भाग्य नगर जिला: शाम 5:30 से 6:30 बजे तक वैदेही समिति, सरस्वती नगर, सैदाबाद में कार्यक्रम आयोजित हुआ। संयोजक अर्चना माहेश्वरी, पंकज सांघी, दीपक गुप्ता एवं सौधराम जैन रहे। इस अवसर पर 60 बच्चों को टोपी, मिठाई एवं पानी की बोतलें वितरित की गईं। साथ ही दीप प्रज्वलन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

5. गोलकोंडा जिला: शाम 7:30 से 8 बजे तक कबूतर खाना स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में कार्यक्रम हुआ। यहां पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।डॉ. वुप्पला शारदा ने बताया कि ट्रेडर्स सेल द्वारा बच्चों में राष्ट्रभक्ति और संस्कार की भावना जागृत करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी आयोजकों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना व्यापार मंडल की संयोजक वुप्पला शारदा, सहसंयोजक सतीश कुमार जाजू सहित डॉ. भगवंत राव, अग्रसेन बैंक के चेयरमैन एवीएन अधिवक्ता प्रमोद केडिया, डॉ. संदीप साबू, राकेश रोशन अग्रवाल एवं नीरज केडिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।सहयोग करने वालों में अविनाश देवड़ा, भरत चंदा (तेलंगाना प्रदेश संयुक्त सह-संयोजक), शिवानंद अग्रवाल, पीयूष जैन, ललित अग्रवाल, सिद्धार्थ गिलाडा, राजेश करवा, नरेंद्र बंसल, निमेष जैन, गोविंद जाजू, अर्चना माहेश्वरी, पंकज सांघी एवं दीपक कुमार गुप्ता शामिल रहे।

अन्नसेवा के 2 साल पूरे होना राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा का परिणाम : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की निरंतर अन्नसेवा के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा कभी व्यर्थ नहीं जाती। आज राधे-राधे ग्रुप की अन्नसेवा जिस निरंतरता के साथ आगे बढ़ रही है, यह राधे रानी की कृपा और सभी सेवाभावी सदस्यों के समर्पण का परिणाम है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में नियमित अन्नसेवा को दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। वहीं बेगम बाजार में एक वर्ष तथा केबीआर पार्क में भी एक वर्ष से नियमित अन्नसेवा का क्रम निरंतर जारी है। तीनों सेवा केंद्रों पर 365 दिन नियमित अन्नसेवा का संकल्प निरंतर निभाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सेवा कार्य को एक-दो दिन करना आसान होता है, लेकिन वर्षों तक बिना किसी स्वार्थ और बिना किसी दिखावे के लगातार सेवा करते रहना ही वास्तविक सेवा भावना है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के लिए अन्नसेवा केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, अपनापन और मानवता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। सेवा करते समय यह नहीं देखा जाता कि सामने वाला कौन है, किस समाज या वर्ग से है। जरूरतमंद तक भोजन पहुंचाना ही सबसे बड़ा उद्देश्य है। मानव सेवा ही माधव सेवा की भावना को आधार बनाकर ग्रुप द्वारा सेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप से जुड़े सभी दानदाताओं, सेवाभावी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सेवा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि राधे-राधे एक परिवार की सामूहिक सेवा है। सभी के सहयोग से ही अन्नसेवा का यह पवित्र क्रम लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधे रानी की कृपा से आने वाले समय में सेवा का यह दायरा और विस्तृत होगा तथा अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाई जाएगी।

इस अवसर पर दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, मीना अग्रवाल तथा जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

दो साल की सेवा और अन्नदान यात्रा बनी अनुकरणीय पहल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की दो वर्षों की निरंतर अन्नदान सेवा समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल बन चुकी है। दो वर्ष की इतनी लंबी सेवा यात्रा पूरी करना कोई मामूली कार्य नहीं है। सबका साथ, सबका सहयोग और सेवा के प्रति समर्पण के कारण ही यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है।राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि दो साल का यह सफर केवल भोजन कराने का सफर नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक अन्नप्रसाद पहुंचाने, उनकी दुआएं कमाने और इंसानियत को जीवंत रखने का सफर रहा है। अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और राधे-राधे ग्रुप इसी भावना को आत्मसात करते हुए नियमित रूप से सेवा कार्य को आगे बढ़ा रहा है।इस अवसर पर सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, रोहित अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, नंदगोपाल, जितेंद्र, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने नियमित अन्नदान सेवा में सहयोग करते हुए सेवा कार्य को आगे बढ़ाने में अपनी सहभागिता निभाई।राधे-राधे ग्रुप की दो वर्ष की यह सेवा यात्रा सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करने के साथ समाज के जरूरतमंद वर्ग तक अन्नप्रसाद पहुंचाने का निरंतर प्रयास बनी हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्राणी मित्र रमेश जागीरदार के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा आयोजित गौसेवा एवं सम्मान कार्यक्रम में प्रभुदत्त महाराज एवं हर्ष भटनागर का सम्मान करते हुए जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरुण मेहता, आर.के. जैन एवं अन्य।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

'ली ची का राजा गणेश' की मूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर झूठे प्रचार से सावधान

गोशामहल पुलिस ने कहा– सोने की परत और कीमती धातुओं के दावों पर विश्वास न करें, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल पुलिस स्टेशन ने लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा सोशल मीडिया पर 'ली ची का राजा गणेश–2026' मूर्ति के बारे में फैल रहे कथित झूठे प्रचार का खंडन करने के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर मूर्ति से संबंधित फैल रही झूठी और गुमराह करने वाली जानकारी को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए लोगों को चेतावनी दी है।

गोशामहल पुलिस के ध्यान में आया है कि पिछले कुछ दिनों से गोशामहल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थापित 'ली ची का राजा गणेश–2026' मूर्ति से जुड़ी कई रिपोर्ट, तस्वीरें और वीडियो व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया मंचों पर बड़े पैमाने पर साझा किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित संदेशों में दावा किया गया है कि यह गणेश मूर्ति करीब 48 किलोग्राम पंचलोहा यानी पांच धातुओं के मिश्रण से बनाई गई है। इसके अलावा, मूर्ति पर 24 कैरेट शुद्ध सोने की परत चढ़ाने तथा इसमें 3,83,800 अमेरिकन डायमंड जड़े होने का दावा भी किया जा रहा है। '24 कैरेट सोने की परत' वाली बात को बार–बार दिखाए जाने के कारण आम जनता में यह गलतफहमी पैदा हो रही है कि मूर्ति वास्तव में करोड़ों रुपये के सोने से बनी है।गोशामहल पुलिस स्टेशन ने आधिकारिक रूप से स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर फैल रहे ऐसे सभी दावे पूरी तरह झूठे और गुमराह करने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, स्थानीय रूप से स्थापित गणेश मूर्ति को प्रचार अभियानों में बताए गए कीमती धातुओं या सोने की परत का उपयोग करके नहीं बनाया गया है। विशेष रूप से पुलिस ने स्पष्ट किया कि मूर्ति पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ाए जाने के दावे में कोई सच्चाई नहीं है।

पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, 'ली ची का राजा गणेश' उत्सव समिति के कुछ सदस्यों और आयोजकों पर गलत इरादे से यह जानकारी तैयार कर फैलाने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, इसका उद्देश्य उनके व्यवसाय 'ली ची पर्ल्स एंड ज्वेल्स' का मुफ्त प्रचार प्राप्त करना, व्यावसायिक लाभ हासिल करना और जनता को गुमराह कर गैर–कानूनी तरीके से मुनाफा कमाना था।

गोशामहल पुलिस ने कहा कि ऐसी बढ़ा–चढ़ाकर बताई गई और बिना प्रमाण वाली जानकारी पर विश्वास करने से निर्दोष लोगों के ठगे जाने का खतरा रहता है। इसके अलावा, मूर्ति की कीमत को लेकर बढ़ा–चढ़ाकर लगाए गए अनुमानों से उत्सव के दौरान सुरक्षा संबंधी समस्याएं और अफरा–तफरी की स्थिति पैदा हो सकती है। पुलिस ने जनता और भक्तों से निम्नलिखित सावधानियां बरतने की अपील की है।विश्वास न करें और न ही साझा करें: व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर) या किसी अन्य सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित बिना पुष्टि वाली खबरों, तस्वीरों या वीडियो पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे साझा करें।केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें: पंचलोहा, मूर्ति के वजन, हीरों की संख्या या 24 कैरेट सोने की परत चढ़ाने संबंधी दावों पर ध्यान न दें। इसके बजाय केवल पुलिस और अन्य आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

हत्या की कोशिश समेत विभिन्न मामलों में चार गिरफ्तार

गोशामहल पुलिस ने महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, मारपीट, अवैध प्रवेश, नुकसान पहुंचाने और आपराधिक धमकी के मामले में की कार्रवाई

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल पुलिस थाना, गोशामहल डिवीजन एवं गोलकोंडा जोन पुलिस ने हत्या की कोशिश, महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, मामूली चोट पहुंचाने, बिना अनुमति परिसर में प्रवेश करने, नुकसान पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपराध संख्या 345/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 115(2), 324(2), 351(2), 329(3), 74, 292, 352 तथा धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

चार आरोपी गिरफ्तार, तीन अभी फरार

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ए–1 उमेश कुमार तोशनीवाल, पिता स्वर्गीय बृज गोपाल तोशनीवाल, निवासी सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद; ए–2 एकता तोशनीवाल, पिता उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद; ए–3 उमा तोशनीवाल, पत्नी उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद; तथा ए–4 कविता तोशनीवाल, पत्नी उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक ए–1 से ए–4 को 17 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे गिरफ्तार किया गया और उन्हें माननीय अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मामले में ए–5 राजेश, ए–6 प्रतीक तथा ए–7 हरीश और अन्य आरोपी फरार बताए गए हैं।

दुकान में मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप

पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12 बजे शिकायतकर्ता स्वप्ना बेगम बाजार छतरी स्थित अपनी दुकान पर मौजूद थीं। इसी दौरान उमेश तोशनीवाल और अन्य लोगों ने मिट्टी की बोरियां हटाने को लेकर कथित रूप से उनके साथ मारपीट की और उन्हें धमकाया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वह गोशामहल पुलिस थाने में मौजूद थीं, तब उमेश की पत्नी उमा और कविता, बेटी एकता तथा अन्य लोग कथित रूप से दुकान में घुस गए और तोड़फोड़ की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने करीब 70 हजार रुपये का सामान चोरी किया तथा उनकी मां सत्यवती (65), कर्मचारी शशिकला (50) और एक अन्य कर्मचारी नंदू के साथ मारपीट की।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी मां की दाहिनी कलाई की हड्डी टूट गई। साथ ही आरोपियों ने नुकीली लकड़ी की छड़ी से उन पर हमला करने का प्रयास किया तथा उन्हें और उनके परिवार को धमकी दी। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

पूछताछ में अपराध स्वीकार करने का पुलिस का दावा

गोशामहल पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 115(2), 324(2), 351(2), 329(3), 74, 292, 352 तथा धारा 3(5) के तहत अपराध संख्या 345/2026 में मामला दर्ज किया।जांच के दौरान पुलिस को विश्वसनीय जानकारी मिली कि मामले में शामिल ए–1 से ए–4 अपनी दुकान पर मौजूद हैं। सूचना के आधार पर गोशामहल पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और चारों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वेच्छा से उक्त अपराध में शामिल होने की बात स्वीकार की।पुलिस ने बताया कि ए–1 और ए–2 पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। इसके चलते आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजने की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को पहले भी पाबंद किया गया था, लेकिन निवारक कार्रवाई के बावजूद वे दोबारा इस आपराधिक मामले में शामिल हुए।

पुलिस ने बताया कि ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने तथा सार्वजनिक शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून के अनुसार आरोपियों को दोबारा पाबंद करने की आवश्यक कार्रवाई शुरू की जा रही है।

जनता से शांत रहने और कानून हाथ में न लेने की अपील

गोशामहल पुलिस की त्वरित कार्रवाई कानून–व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति हैदराबाद शहर पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस ने कहा कि गैर–कानूनी एवं अशांति फैलाने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है और कानून के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।गोशामहल पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे शांत रहें तथा अनावश्यक विवाद, बहस या शारीरिक टकराव से बचें। दुकानों, संपत्ति, व्यापार या अन्य व्यक्तिगत मामलों से संबंधित किसी भी असहमति को कानूनी तरीकों से शांतिपूर्वक सुलझाया जाना चाहिए।

पुलिस ने जनता से कानून को अपने हाथ में न लेने, किसी को धमकी न देने, किसी पर हमला न करने, संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने तथा कानूनी अधिकार के बिना किसी परिसर में प्रवेश न करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, ऐसे कृत्यों के लिए आपराधिक एवं कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमेटी ने परिचय सम्मेलन की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

हैदराबाद, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमेटी की बैठक चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल एवं कनवेनर अशोक जिंदल के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक में आगामी 20 सितंबर, रविवार को होने वाले परिचय सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

परिचय सम्मेलन समाज कार्यालय, 10वीं मंजिल, राघव रत्न टावर्स, आबिड्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।बैठक में महेंद्र अग्रवाल, सीमा जैन, डॉ. स्वाति अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, सुरेश टंडन, अशोक जिंदल, पंकज कुमार संघी, रानी मित्तल एवं शीतल रूंगटा उपस्थित रहे।

कमेटी के सदस्यों ने परिचय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया। कमेटी सदस्यों ने सम्मेलन में आने वाले समाजबंधुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने पर भी विचार–विमर्श किया।

बरकतपुरा स्थित कुलकर्णी निवास पर भादरवा सुद अष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित श्री महालक्ष्मी माता पूजा कार्यक्रम में उपस्थित श्री राम अयोध्या चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन स्वामी कमलेश महाराज, रिद्धीश जागीरदार, अशोक कुलकर्णी, संगीता कुलकर्णी, प्रेमलाबाई रामराव, आनंद कुलकर्णी एवं अन्य श्रद्धालु।

भागवत कथा की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक कल

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में पितृपक्ष के पावन अवसर पर 1 से 7 अक्टूबर 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक एनएम गुडा चौरस्ता, अत्तापुर स्थित साई बाबा मंदिर प्रांगण में होगी।कथा की तैयारियों को लेकर 20 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की जाएगी। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि बैठक में अत्तापुर एवं नगर के निवासी, धार्मिक आस्था रखने वाले पुरुष–महिलाएं, सामाजिक संगठन, संस्थाएं, महिला मंडल तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि आमंत्रित हैं। बैठक में सुझाव एवं विचार–विमर्श के माध्यम से कथा को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।सोमाणी ने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। उन्होंने समाजबंधुओं से अपने पितरों के निमित्त कथा में दैनिक यजमान के रूप में परिवार का नाम लिखाने तथा धार्मिक अनुष्ठान में सहयोग करने का आग्रह किया।उन्होंने बताया कि कलश यात्रा के लिए अब तक 30 महिलाओं ने पंजीकरण कराया है, जबकि 108 कलश का लक्ष्य रखा गया है। कलश यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 सितंबर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से परिवार एवं मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.